सुविचार

लोग शायद ही कभी वह करते हैं, जिस पर उन्हें विश्वास होता है। वे वही करते हैं, जो सुविधाजनक होता है और फिर पछताते हैं।

–बॉब डिलन

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज़ Published from Ranchi

12

Priyanka Chopra Offers Glimpse...

Ranchi ● Wednesday, 22 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 10 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	75,838.36
निफ्टी	:	23,045.30

SARAFA

सोना	:	7,630
चांदी	:	104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सैफ के आवास पर पुलिस ने क्राइम सीन किया रिक्रिएट

MUMBAI : मंगलवार को फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला मामले की जांच कर रही पुलिस ने उनके आवास पर जाकर क्राइम सीन रिक्रिएट किया। इसके बाद सैफ अली के आवास पर चारों तरफ से ग्रील लगाई गई और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए। मंगलवार को लीलावती अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सैफ अली खान अपने आवास पर पहुंचे है, इसलिए मुंबई पुलिस आज ही सैफ अली खान का बयान भी दर्ज कर सकती है। मामले की छानबीन कर रही बांद्रा पुलिस स्टेशन की टीम हमलावर को लेकर सैफ अली खान के आवास पर पहुंची । हमलावर किस तरह सैफ के घर में घुसा था, उस क्राईम सीन को रिक्रिएट किया गया। इसके बाद पुलिस आरोपित को लेकर नेशनल कॉलेज बस स्टॉप पर फिर बाद में बांद्रा स्टेशन तक ले गई। हमलावर मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद 24 जनवरी तक पुलिस की कस्टडी में है। पुलिस टीम उससे गहन पूछताछ कर रही है।

छत्तीसगढ़ मुठभेड़ में अब तक 16 नक्सलियों के शव बरामद

RAIPUR : छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के छत्तीसगढ़–ओडिशा बॉर्डर पर स्थित भालू डिग्गी के जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना जताई जा रही है। इस मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती सहित 16 के मारे जाने की रायपुर संभाग के आईजी ने पुष्टि की है। इन सभी 16 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए जा चुके हैं। इस मुठभेड़ में अब तक 20 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इसमें एक जवान भी घायल हुआ है, जिसे एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया है। रविवार की रात से शुरू हुई मुठभेड़ में मंगलवार सुबह तक 16 नक्सलियों को मारे जाने की पुष्टि हुई है। मुठभेड़ अभी खत्म नहीं हुई है।

असम, मेघालय व प. बंगाल में 4.1 तीव्रता का भूकंप

NEW DELHI : मंगलवार को मेघालय के साउथ वेस्ट खासी हिल्स इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता 4.1 तीव्रता रही। मेघालय के अलावा असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। इससे किसीतरह के नुकसान की सूचना फिलहाल नही है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, के साउथ वेस्ट खासी हिल्स इलाके में दोपहर 12 बजकर 34 मिनट 02 सेकेंड पर आए इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का एपीक सेंटर मेघालय के साउथ वेस्ट खासी हिल्स जिले में 25.34 उत्तरी अक्षांश तथा 91.17 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। मेघालय के अलावा असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। जिससे लोगों में क्षणिक भय का माहौल बन गया और लोग घरों से बाहर निकल आए।

जातिगत टिप्पणी पर सीआईएसएफ अधिकारी को नहीं मिली राहत

चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की खंडपीठ में हुई केस की सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक ऑर्डर में स्पष्ट किया है कि किसी अधिकारी का पिछला स्वच्छ आचरण अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा दी गई सजा की मात्रा में हस्तक्षेप करने का आधार नहीं हो सकता है। इसकी बाद में अपीलीय प्राधिकारी और एकल न्यायाधीश पीठ ने पुष्टि की है। हाईकोर्ट सीआईएसएफ, बीएसएल के एक पूर्व सहायक कमांडेंट द्वारा दायर अपील पर विचार कर रहा था, जिस पर अपने कार्यालय में पदस्थापित एक इंस्पेक्टर की जाति पर टिप्पणी करने का आरोप था। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एम.एस रामचंद्र राव और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की खंडपीठ में हुई।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया- अपने अधीनस्थ पदाधिकारी को नहीं कर सकते अपमानित

- चार्ज मेमो और विभागीय कार्रवाई शुरू करने की चुनौती देते हुए अपीलकर्ता ने दायर की थी याचिका
- एएसआई के सामने एक इंस्पेक्टर की जाति के बारे में टिप्पणी करने का मामला
- अपील खारिज होने के बाद सिंगल बेंच के आदेश को डबल बेंच में दी गई चुनौती

मौजूदा मामले में नरमी की जरूरत नहीं

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि हम यह भी नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अपीलकर्ता सीआईएसएफ में एक कर्मचारी था, जो एक अनुशासित बल है। जब आरोप गंभीर हो, जैसा कि मौजूदा मामले में है, तो नरमी की जरूरत नहीं है। अपीलकर्ता पर सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट के पद पर रहने के दौरान आरोप लगाया गया था कि उन्होंने एक एएसआई के सामने एक इंस्पेक्टर की जाति (एससी) के बारे में टिप्पणी करके वर्ष 2008 में कदाचार का कार्य किया था। वर्ष 2009 में उन्होंने फिर से अपने कार्यालय में उसी व्यक्ति पर अपमानित करने के इरादे से एक अन्य एएसआई के सामने उसकी जाति का उल्लेख करते हुए अपमानजनक और डराने वाली टिप्पणी की।

रिटायरमेंट के बाद भी जारी रहेगी जांच

कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता सीआईएसएफ से सेवानिवृत्त हो गया, लेकिन उसे सूचित किया गया कि केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 9 के तहत उसकी सेवानिवृत्ति के बाद भी उसके खिलाफ जांच जारी रहेगी। चार्ज मेमो और विभागीय कार्रवाई शुरू करने की चुनौती देते हुए अपीलकर्ता ने एक याचिका दायर की थी। अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप साबित हुए हैं और स्थायी आधार पर मासिक पेंशन में 20 प्रतिशत की कटौती और उसकी पूरी ग्रेच्युटी जब्त करने का जुर्माना लगाया गया है। इसके बाद अपीलकर्ता ने विभागीय अपील दायर की, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। अपीलीय प्राधिकारी के आदेश के खिलाफ उनकी अपील भी खारिज कर दी गई। जिसके बाद सिंगल बेंच के आदेश को डबल बेंच में चुनौती दी गई।

ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में हाईकोर्ट पहुंची गवर्नमेंट

बंगाल सरकार के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने याचिका में कहा- हो फांसी की सजा

KOLKATA : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता आरजी कर अस्पताल में रेप और मर्डर के दोषी संजय रॉय को सियालदह कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले के खिलाफ ममता सरकार मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंच गई। बंगाल सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने सियालदह कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका लगाई। इसमें कहा– दोषी संजय रॉय की उम्रकैद की सजा सही नहीं है। उसे फांसी की सजा होनी चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस देबांग्शु बसक ने याचिका स्वीकार कर ली है। हालांकि, इसकी सुनवाई कब शुरू होगी, इसकी अभी जानकारी सामने नहीं आई है। सियालदह कोर्ट के जज अनिर्बान

दास ने सोमवार, दोपहर 2:45 बजे सजा सुनाते हुए कहा था, 'यह रेयरेस्ट आफ रेयर मामला नहीं है। इसलिए मौत की सजा नहीं दी सकती।' इसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर लिखा– मुझे पूरा विश्वास है कि यह रेयरेस्ट आफ रेयर मामला है, जिसके लिए मौत की सजा मिलनी चाहिए।

अन्य 17 प्रस्तावों को भी राज्य मंत्रिपरिषद की ओर से दी गई मंजूरी

राज्यकर्मियों का होगा स्वास्थ्य बीमा, स्टेट कैबिनेट से हरी झंडी

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 18 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें राज्य के विकास और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। राज्यकर्मियों के स्वास्थ्य बीमा के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दे दी। वहीं इसके लिए झारखंड सरकार ने टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ करार किया है। इसके तहत राज्यकर्मियों और पेंशनरों को पांच लाख रुपये तक इलाज की सुविधा दी जाएगी। वहीं गंभीर बीमारियों में 10 लाख तक का इलाज कराया जा सकता है। इसके लिए राज्य सरकार की आकस्मिक निधि से 150 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि बीमा योजना में अब तक 2 लाख कर्मियों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। कर्मियों को इस योजना के तहत सालाना एकमुश्त 6000 रुपये प्रीमियम का भुगतान करना होगा।

पेंशनर को भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ, 10 लाख तक का इलाज संभव

- अधिवक्ता कल्याण कोष के लिए मिले 12.10 करोड़ रुपये
- दुमका एयरपोर्ट से शुरू होगी उड़ान, एयर इंडिया से एमओयू को मिली मंजूरी
- पुलिस अनुसंधानकर्ता के मोबाइल खरीदने के प्रस्ताव को किया गया मंजूर
- माध्यमिक स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए 94 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति

राज्य का एक और एयरपोर्ट होगा चालू

कैबिनेट ने दुमका एयरपोर्ट से नियमित उड़ान सेवा शुरू करने के लिए एयरपोर्ट आथोरिटी आफ इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। राज्य सरकार ने चतरा में एक विशेष न्यायालय के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी, जो स्थानीय न्यायिक सेवाओं को सुदृढ़ करेगा और प्रशासनिक कार्यों में सुधार लाएगा। राज्य के विभिन्न अस्पतालों के लिए नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

- राज्य सरकार ने अनुपूरक बजट को घटनोतर स्वीकृति दी, जो सरकार की वित्तीय योजनाओं को सुदृढ़ करेगा।
- झारखंड प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के अधिकारियों के लिए एक साल के सेवा विस्तार को मंजूरी दी गई।
- झारखंड अधिवक्ता कल्याण कोष के लिए 12.10 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई, जिससे राज्य के अधिवक्ताओं की कल्याण योजनाओं को साकार किया जाएगा।
- झारखंड पारा मेडिकल जिला संवर्ग नियमावली को मंजूरी दी गई, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा।
- मध्य विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए ज्ञानोदय योजना के तहत 94.50 करोड़ रुपये दिए गए। जिससे छात्रों को तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा। इसके अलावा केस आईओ को मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

तुर्किये के होटल में आग लगने से 66 लोगों की चली गई जान, 51 झुलसे

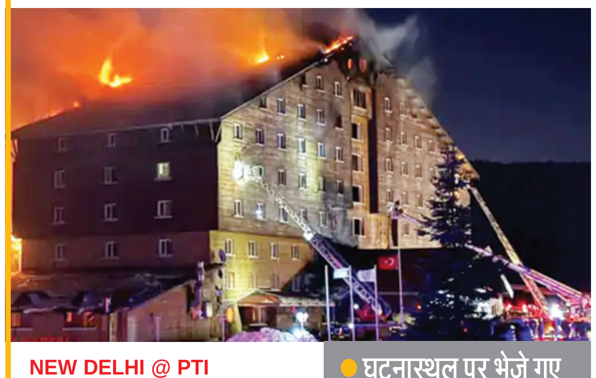

NEW DELHI @ PTI : मंगलवार को तड़के उत्तर पश्चिमी तुर्किये में स्थित एक स्की रिजॉर्ट के होटल में लगी भीषण आग की चपेट में आकर 66 लोगों की जान चली गई। 51 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों और मीडिया में आई खबरों के अनुसार, बोलू प्रांत के कार्तलकाया रिजॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तरां में तड़के करीब साढ़े तीन बजे आग लग गई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। सरकारी अनादोलु समाचार एजेंसी ने गवर्नर अब्दुलअजीज आयदीन के हवाले से बताया कि घबराहट में इमारत से कूदने की वजह से दो पीड़ितों की मौत हो गई। निजी एनटीवी टेलीविजन ने अपनी खबर में बताया कि कुछ लोगों ने चादरों और कंबलों के सहारे अपने कमरों से नीचे उतरने की कोशिश की। आयदीन ने बताया कि होटल में 234 मेहमान ठहरे हुए थे।

- घटनास्थल पर भेजे गए दमकल के 30 ट्रक और 28 एंबुलेंस
- सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में किया गया भर्ती
- आग लगने की घटना के समय होटल में मौजूद थे 234 मेहमान
- इमारत से कूदने की वजह से दो पीड़ितों की हुई मौत
- कुछ लोगों ने चादरों और कंबलों के सहारे अपने कमरों से की नीचे उतरने की कोशिश
- सरकार की ओर से नियुक्त 6 अभियोजकों ने आग लगने के कारणों की शुरू की जांच

20 मेहमानों को निकलने में की मदद

होटल में स्की प्रशिक्षक नेकमी केपसेटुटन ने बताया कि जिस वक्त आग लगी, उस समय वह सो रहे थे। घटना के बाद वह इमारत से बाहर भागे। उन्होंने एनटीवी टेलीविजन को बताया कि इसके बाद उन्होंने होटल से करीब 20 मेहमानों को बाहर निकालने में मदद की। उन्होंने कहा कि होटल में धुआं भर गया था, जिससे मेहमानों के लिए आग से बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल हो गया। स्की प्रशिक्षक ने ह्यएनटीवी टेलीविजनह्ण को बताया, मैं अपने कुछ छात्रों से संपर्क नहीं कर पा रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि वे ठीक होंगे। टेलीविजन पर दिखाए गए दृश्यों में होटल की छत और ऊपरी मंजिलों में आग लगी हुई दिख रही है।

देवघर एयरपोर्ट में जबरन घुसने और विमान उड़ाने का दबाव बनाने का मामला

सांसद निशिकांत व मनोज को 'सुप्रीम' राहत

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मनोज के खिलाफ सीआईडी की जांच नहीं होगी। इस संबंध में झारखंड हाई कोर्ट के दिए फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। इस प्रकार देवघर एयरपोर्ट में कथित तौर पर जबरन घुसने और विमान उड़ाने का दबाव बनाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से दोनों सांसदों को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने उनके खिलाफ झारखंड सीआईडी की तरफ से की रही जांच रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है।

झारखंड हाई कोर्ट के फैसले को रखा बरकरार, नहीं होगी सीआईडी जांच

दो जजों की बेंच ने दिया जजमेंट

अपने कमेंट्स में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने फैसला देते हुए कहा कि अगर इस मामले में कोई केस बनता भी है, तो वह एयरक्राफ्ट एक्ट के तहत बनता है। इस एक्ट का मामला केंद्र सरकार के तहत आने वाले डीजीसीए को देखना होता है। इसमें राज्य सरकार की सीआईडी का कोई काम नहीं।

रद्द हो चुकी है एफआईआर

बता दें कि बीते 13 मार्च 2023 को झारखंड हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई थी। जहां जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने कुंढा थाने में दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया था। ऐसा करने से देवघर एयरपोर्ट मामले में सांसद निशिकांत दुबे, उनके दो बेटे, सांसद मनोज तिवारी और भाजपा नेता कपिल

मिश्रा सहित 9 लोगों को राहत मिली थी। राज्य सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। जहां आज अदालत ने फैसला सुनाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की दी चेतावनी

NEW DELHI : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से चेतावनी दी कि अगर ब्रिक्स समूह के देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी मुद्रा को लाने के लिए कोई कदम उठाते हैं, तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। ब्रिक्स देशों में भारत भी शामिल है। ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा, अगर ब्रिक्स देश ऐसा करना चाहते हैं तो ठीक है, लेकिन हम उनके अमेरिका के साथ व्यापार पर कम से कम 100 प्रतिशत शुल्क लगाने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये देश वैश्विक व्यापार में डॉलर के इस्तेमाल को कम करने के बारे में सोचते भी हैं तो उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जा सकता है। ब्रिक्स दस देशों – रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात का एक अंतर–सरकारी संगठन है।

- पिछले साल दिसंबर में भी इसी प्रकार का अपनाया गया था लहजा
- रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ईरान के साथ ब्रिक्स देशों में भारत भी है शामिल

स्पेशल स्किल अटैक प्रक्रिया के बीच 2 दिन में तैयार करते फारवर्ड ऑपरेटिंग बेस

लाजवाब रणनीति से काम करते हैं सीआरपीएफ के जवान

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK: हमारे सेंट्रल रिजर्व फोर्स यानी केंद्रीय सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) के जांबाज जवान विशेष परिस्थितियों में विशेष कौशल के साथ खास रणनीति अख्तियार कर अपने टारगेट को अंजाम देते हैं। देश के भीतर नक्सलवाद की समस्या को समाप्त करने के अभियान में उनकी भूमिका सर्वोपरि है। अपडेट जानकारी के अनुसार, इसकी विशेष इकाई 'कोबरा', जिसे 'जंगल वॉरफेयर' में एक्सपर्ट माना जाता है, गृह मंत्री के भरोसे पर खरा उतरने में हर तरह से एक्टिव हैं। जैसा कि हम जानते हैं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। इस अभियान को पूरा करने के लिए जवान जी– जान से लगे हुए हैं। बताया जाता है कि कोबरा व सीआरपीएफ के सहयोग से सुरक्षा बलों ने विभिन्न राज्यों के नक्सल प्रभावित इलाकों में 289 नए कैंप खोले हैं। केवल 10–15 किलोमीटर की दूरी पर दो–दो सुरक्षा कैंप या 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे का रखा है लक्ष्य

10-15 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित किए जा रहे हैं दो-दो सुरक्षा कैंप

भय के कारण अब अटैक से बचने के लिए छोटी टीम में सिमटते जा रहे नक्सली, जंगल वॉरफेयर में कुशल 'कोबरा' के जवानों को सौंप गई है विशेष जिम्मेदारी

विभिन्न राज्यों के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों ने खोले हैं 289 नए कैंप

आईईडी ब्लास्ट और यूबीजीएल अटैक के जोखिम का सामना करते हैं जवान

नए तरीके से ग्रामीणों की करते हैं मदद साथ होती है लोकल मशीनरी उग्रवाद प्रभावित जिलों की तादाद में आई कमी

मोबाइल टावर बेस का निर्माण

देश में कहीं भी नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा दस्ते का नेतृत्व सीआरपीएफ के जांबाज करते हैं। घने जंगल में नक्सलियों के गढ़ में सीआरपीएफ के जवान मात्र 48 घंटे में 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित कर देते हैं। भले ही मौसम कितना भी खराब क्यों न हो, जवानों द्वारा हैवी ड्यूटी क्रेन, जेसीबी और दूसरे उपकरणों की मदद से नया बेस तैयार कर दिया जाता है। नक्सलियों के हमले से बचाने के लिए मोबाइल टावर भी बेस के निकट ही खड़ा किया जाता है। इस स्थिति में नक्सलियों की कमर टूट रही है। पहले नक्सलियों द्वारा बटालियन को साथ लेकर सुरक्षा बलों पर हमला बोला जाता था। उसके बाद वे कंपनी पर सिमट गए। अब कंपनी की बजाय नक्सली एक छोटी सी टीम तक सिमटते जा रहे हैं।

जय बापू, जय भीम, जय संविधान कार्यक्रम आयोजित

प्रियंका गांधी 'स्त्री शक्ति' राहुल 'युवा शक्ति' : खड़गे

BELAGAVI @ PTI : मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा की तुलना अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली विभूतियों- कित्तूर रानी चेन्नम्मा और 'झांसी की रानी' लक्ष्मी बाई से की और कहा कि वह 'स्त्री शक्ति' का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने राहुल गांधी को 'युवा शक्ति' का प्रतीक बताया। यहां 'गांधी भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस ने 1924 में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में बेलगावी में हुए कांग्रेस के एक मात्र अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य

- राजीव गांधी की हत्या के बाद प्रियंका ने ही परिवार को संभाला

में यह कार्यक्रम आयोजित किया है। उन्होंने कहा, अगर कोई कित्तूर की चेनम्मा हैं तो प्रियंका गांधी हैं। अगर कोई झांसी की रानी हैं तो प्रियंका गांधी हैं।

BRIEF NEWS

भाजपा ने मनाया संविधान गौरव दिवस

LOHARDAGA : लोहरदगा में अम्बेडकर नगर में भाजपा के जरिये मंगलवार को संविधान गौरव दिवस मनाया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सिमरिया के पूर्व विधायक किशुन दास और विशिष्ठ अतिथि के रूप मे भाजपा पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के जरिये डॉ भीमराव अंबेडकर और भारत माता के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर ,दीप प्रज्वलन एवं वंदेमातरम गीत के साथ किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि किशुन दास ने कहा कि भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने न्याय, समानता और सशक्तिकरण पर आधारित एक आदर्श राष्ट्र की परिकल्पना की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने उनके विचारों को अपनाते हुए सामाजिक और आर्थिक सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इनमे बाबा साहेब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया। समावेशी विकास, सशक्तिकरण और प्रगति बाबासाहेब की विरासत है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मनीर उरांव,ओम प्रकाश सिंह, ब्रज बिहारी प्रसाद,शुकूल राम, प्रकाश नायक ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सह कार्यक्रम जिला संयोजक संजय प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन सचिन साहू ने किया। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

13 लाभुकों को मिलेगी स्वास्थ्य सहायता राशि

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना को लेकर बैठक हुई। इसमें इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों में 13 लाभुकों को राशि निर्गत की जाएगी। इसमें अनुसूचित जनजाति के 6 तथा पिछड़ी जाति के 7 आवेदकों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ देने के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया। अनुमोदित 13 आवेदनों में से 3 कैंसर पीड़ित मरीज हैं। उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को अनुमोदन के उपरांत अविलंब सभी लाभुकों को अनुदान राशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत लाभ के लिए राष्ट्रीय खाद्यान सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत झारखंड राज्य में निवासरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग के पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ परिवार राशन कार्डधारी, अंत्योदय राशन कार्डधारी, हरा कार्डधारी योग्य होंगे।

शिकायत मिलने पर दूर होगी समस्या : एसपी

RAMGARH : झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर रामगढ़ शहर के छावनी फुटबॉल ग्राउंड में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। 22 जनवरी को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जाना है। मंगलवार को एसपी अजय कुमार ने बताया कि पहले भी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन रामगढ़ जिले में हो चुका है। यहां आम नागरिकों की समस्या को दूर करने का भी प्रयास किया गया है। अब तक आए सैकड़ो आवेदनों में से 80 फीसदी मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। कुछ मामले तकनीकी कारणों और दूसरे विभागों के होने की वजह से निष्पादित नहीं हो पाए। अब तक जितने भी मामले जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आए हैं उसमें अधिकांश मामले जमीन से संबंधित रहे हैं। इस बार ऐसा प्रयास रहेगा की अंचल अधिकारियों को भी कार्यक्रम में बुलाया जाए ताकि जमीन को लेकर होने वाले झगड़ा को खत्म करने का प्रयास हो। रामगढ़ पुलिस के जरिये निर्गत मोबाईल नंबर- 9162388444 एवं id- janshikayat- rgh@jhpolice.gov.in पर रामगढ़ जिले की आम जनता अपनी शिकायतों / समस्याओं को साझा कर सकती है।

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में लगाएं साइनेज : डीसी

KHUNTI : खूंटी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रम्बल स्ट्रिप और साइनेज बोर्ड लगाने का निर्देश उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने दिया है। उपायुक्त मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा से संबंधित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कराने के लिए नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जाए। हिट एंड रन जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ हीं पीड़ित परिवारों को निर्धारित समय पर मुआवजा भुगतान किया जाए। झारखंड सरकार के गुड सेमेरिटन पॉलिसी के विषय पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को मदद करने वाले व्यक्ति को उक्त योजना के तहत पुरस्कृत करने का भी निर्देश दिया गया।

मधुबन झड़प मामले में हथियार के साथ शेख मोबिन गिरफ्तार

9 जनवरी को आउटसोर्सिंग एजेंसी और स्थानीय लोगों में हुई थी भिड़ंत

AGENCY DHANBAD : मधुबन घटना मामले में पुलिस को एक और कामयाबी मिली है। नामजद आरोपित शेख मोबिन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शेख मोबिन हथियार के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है। उसके पास से एक देसी पिस्टल और चार गोली बरामद हुआ है। ट्रैफिक डीएसपी अरविन्द कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेस में जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार शेख मोबिन शेख डब्लू गुट का सदस्य है। एसपी ने बताया कि अभी तक मधुबन घटना मामले में 19 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

70 से 80 नामजद आरोपित एवं अप्राथमिक आरोपितों की पुलिस को अभी भी तलाश है और लगातार छापेमारी जारी है। मधुबन कांड में अबतक कुल 12 एफआइआर दर्ज हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि मधुबन की घटना 9 जनवरी की है। मधुबन थाना क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर बमबाजी-गोलीबारी, आगजनी एवं बाघमारा एसडीपीओ पर पथराव किया गया था।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

मधुबन कांड को लोस में उठाऊंगा : सीपी चौधरी

DHANBAD : धनबाद के बाघमारा स्थित मधुबन थाना क्षेत्र के हिलटॉप आउटसोर्सिंग में हुए हिंसक झड़प मामले को लेकर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी धनबाद समाहरणालय पहुंच कर उपायुक्त से मंगलवार को मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हिलटॉप आउटसोर्सिंग की घटना बीसीसीएल एरिया 3 के प्रबंधन की देन है। यहां न सिर्फ स्थानीय रैयतों की मांग को अनदेखा किया गया, बल्कि फॉरेस्ट सहित कई अन्य क्लियरेंस भी नहीं ली गई और वहां कार्य शुरू कर दिया गया। जिससे झड़प हुई और उसमें एसडीपीओ सहित अन्य लोग घायल हुए। इस दौरान मेरे कार्यालय को भी जला दिया गया। उन्होंने कहा कि घटना से दो दिन पूर्व ही हमारी एरिया जीएम के साथ स्थानीय रैयतों की समस्या को लेकर वार्ता हुई थी। इसमें साफ कहा गया था कि स्थानीय रैयतों की मांग पूरी होने के बाद ही वहां काम चालू किया जाएगा लेकिन दो दिन बाद ही काम चालू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जिस कारू यादव पर दर्जनों मामले दर्ज है वैसे व्यक्ति को बीसीसीएल और हिलटॉप आउटसोर्सिंग कंपनी ने कैसे ठेका दे दिया यह जांच का विषय है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बीसीसीएल और प्रशासन के सहयोग से ही कारू यादव क्षेत्र का दबंग बना। उन्होंने कहा कि झड़प में मेरा कोई हाथ नहीं है। उस दौरान मैं रेलवे की मीटिंग में दिल्ली में था। फिर भी मुझपर मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आपराधिक तत्वों के सहयोग से यहां माहौल बिगाड़ा गया इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले को संसद में भी उठाने की बात कही।

भैंस दूहकर लौट रहे वृद्ध की गला दबाकर हत्या फंदे पर लटकाया शव

PALAMU : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के डुमरी के सिकदा गांव में भैस दूहकर लौट रहे संबोधी यादव(65)की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी गयी। उसके शव को फंदे से टांग दिया गया, ताकि घटना सुसाइड साबित हो जाए। फंदे पर टंगे वृद्ध के दोनों हाथ बिजली के तार से बंधे हुए थे। घटनास्थल के पास वृद्ध का जूता, कपड़े समेत अन्य सामान बिखरे पड़े थे। घटना को जमीन विवाद में अंजाम देने की चर्चा है। गोतिया परिवार के साथ भूमि विवाद चल रहा था। घटना की जांच डॉग स्क्वाड से कराने की कोशिश की गयी, लेकिन पुलिस को तत्काल सफलता नहीं मिली। घटना मंगलवार अहले सुबह हुई। पुलिस छानबीन में जुटी है। घटना से गांव में सनसनी है। इस संबंध में गोतिया परिवार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराने की जानकारी मिली है। परिजनों के अनुसार मंगलवार अहले सुबह संबोधी यादव घर से आधा किलोमीटर दूर पाही पर भैस दूहने के लिए गए थे। वहां से लौटने के क्रम में उनके साथ घटना हुई। हत्या करने से पहले संबोधी यादव के साथ मारपीट हुई। उनके कपड़े बिखरे पड़े थे। घटना से पहले हत्यारों ने संबोधी के घर के दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया था, ताकि आवाज सुनकर कोई परिजन बाहर नहीं निकल सके। घर पर चार बेटों में से एक पुत्र रविन्द्र था।

अवैध खनन पर एसडीओ ने की कार्रवाई, चार ट्रैक्टर जब्त

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के पोची स्थित औरंगा नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव करते चार ट्रैक्टर जब्त किये गये है। सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने गुप्त सूचना पर मेदिनीनगर से स्पेशल फोर्स ले जाकर सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा। सतबरवा थाना में सारे ट्रैक्टरों को लगाया गया है। इस संबंध में खनन विभाग को कार्रवाई के लिए जानकारी दी गयी है।

जब्त टैक्टरों में दो ट्रैक्टर डालटनगंज विधायक के सतबरवा प्रखंड प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा का है, जबकि एक ट्रैक्टर कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक चन्द्रवंशी एवं एक वीरेन्द्र कुशवाहा का बताया गया है। कार्रवाई के क्रम में विधायक प्रतिनिधि के जरिये एसडीओ की बात विधायक से कराने का प्रयास करने पर अनुमंडल पदाधिकारी काफी नाराज हुई। सदर एसडीओ ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पोची स्थित औरंगा नदी से हर दिन बड़े पैमाने पर बालू का उठाव करके तस्करी की जाती है। इसी सूचना पर मेदिनीनगर से स्पेशल टीम ले जाकर मंगलवार सुबह करीब पांच बजे अचानक छापेमारी की गयी। एसडीओ जब पोची पहुंची तो उन्हें औरंगा नदी से चार ट्रैक्टर बालू लेकर आते दिखे। एसडीओ ने सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा और थाने में लगा दिया। एसडीओ की इस कार्रवाई से बालू माफिया में हड़कंप मच गया है। इसके साथ ही विधायक प्रतिनिधि और कांग्रेस नेता की काली कमाई का भी खुलासा हुआ है।

थाने में जब्त की गई गाड़ियां • फोटोन न्यूज

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

CHATRA : चतरा-हजारीबाग मुख्य पथ में तपेज के आगे कुल्लू मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन और बाईक में टक्कर हो जाने से युवक की मौत हो गई है। घटना मंगलवार की है। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप वाहन मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के होलमगड़ा कला गांव के समीर उर्फ गफूर (22) के रूप में हुई है। समीर की मौत के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना स्थल पर सदर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजी है।

पलामू में अफीम की खेती का भंडाफोड़, दो हुए गिरफ्तार

अफीम की खेत में मौजूद पुलिस • फोटोन न्यूज

PALAMU : मनातू थाना अंतर्गत ग्राम-जसपुर, टोला- गौरया के जंगल क्षेत्र में अफीम की खेती की जा रही थी। इसकी सूचना प्राप्त होने पर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए और उनके निदेर्शानुसार छापामारी दल का गठन किया गया।

दल ने सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए थाना से प्रस्थान किया। दोपहर करीब 12.05 बजे वहां पहुंची। पिछरी नाला के तट पर पहुंचकर देखा कि पांच व्यक्ति अफीम खेती में लगे हैं। पुलिस को देखकर सभी जंगल की ओर भागने लगे। सशस्त्र बल और वन विभाग के कर्मियों ने पीछा करके दो व्यक्तियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों में सोहे ग्राम निवासी सतेंद्र पासवान व लखन यादव शामिल हैं।

बालिका प्रशिक्षण शिविर में पुलिस कर्मी भी हुए शामिल

PALAMU : महिला थाना प्रभारी, छतरपुर ने थाने की महिला आरक्षियों के साथ ग्राम लठैया में बालिका प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। विद्या विहार वाटिका विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं और छात्रों को महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूक किया गया। महिला थाना प्रभारी ने महिला सशक्तीकरण, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रहे अपराधों, घरेलू हिंसा और उनके निवारण के उपायों पर जानकारी दी। बच्चों को बाल विवाह से बचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया गया। महिला थाना प्रभारी ने बच्चों और उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वह पुलिस की मदद लेने से न हिचकें। उन्होंने टोल-फ्री नंबर 112 की जानकारी दी और आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर त्वरित और उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें हर प्रकार की समस्या का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित करना था।

जानकारी देतीं पुलिस पदाधिकारी

रेलवे ने 200 घरों को भेजा नोटिस

झारखंडनगर व मकदमपुर के लोगों को अतिक्रमित जमीन खाली करने का आदेश

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने टाटा-बादामपहाड़ रेलखंड में परसुडीह के पास ट्रेन स्टैबलिंग लाइन का निर्माण होना है। इसके लिए रेलवे ट्रैक के दोनों छोर पर 4 रेल लाइन का निर्माण होना है, इसके लिए जमीन की आवश्यकता है। इसके लिए रेलवे ने जमीन पर बसे हुए अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर खाली करवाने की दिशा में प्रयास शुरू हो गया है। रेलवे की ओर से परसुडीह के झारखंड नगर और मकदमपुर सहित आसपास के लगभग 200 लोगों को मकान खाली करने का नोटिस दिया गया है। नोटिस में मकान जल्द खाली करने को कहा गया है, इसके बाद रेलवे की ओर से कब्जा हटाओ अभियान का भी शुल्क वसूल किए जाने की तैयारी है। टाटानगर रेल के एईएन आरके वर्मा ने कहा कि रेलवे की स्टैंबलिंग लाइन का निर्माण होना है, इसके लिए जमीन की आवश्यकता है। लैंड विभाग ने इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे की जमीन पर रहने वाले लोगो को नोटिस दिया गया है।

झारखंड नगर के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों को भी नोटिस मिलने के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप है। यहां रहने वाले निवासियों का कहना है कि वर्षों से वे यहां मकान बनाकर रह रहे हैं। ऐसे में उनके आशियाने को तोड़ना कहीं से भी जायज नहीं है, रेलवे को अगर जमीन खाली कराना है तो पहले बस्तीवासियों को बसाने की योजना तैयार करे। दूसरी ओर परसुडीह के मकदमपुर रेलवे लाइन के आसपास अवैध रूप से बने मकानों को भी रेलवे की ओर से नोटिस दी गई है। नोटिस मिलने के बाद लोग विधायक और सांसद से अपने आशियाने को टूटने से बचाने की मांग भी कर रहे हैं।

गोरुमहिषाणि और बहलदा स्टेशन पर खुलेगा आरक्षण केंद्र

JAMSHEDPUR : टाटानगर-बादामपहाड़ मार्ग के गोरुमहिषाणि और बहलदा स्टेशन पर जल्द आरक्षण केंद्र खुलेगा। इससे ओडिशा के ग्रामीण यात्रियों को टिकट बुक करने के लिए 8 से 10 किमी दूर के स्टेशन पर नहीं जाना पड़ेगा। रेलवे जोन की मंडलस्तरीय बैठक में गोरुमहिषाणि स्टेशन पर आरक्षण केंद्र खोलने पर चर्चा हुई थी, जबकि बहलदा में रेलवे ने पहले सर्वे भी कराया था। टाटानगर मार्ग के बादामपहाड़ और रायरंगपुर में टिकट बुकिंग की सुविधा थी, लेकिन शालीमार और राउरकेला से बादामपहाड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन शुरू होने के बाद से ग्रामीण आरक्षण केंद्र खोलने की मांग उठने लगी। आरक्षण केंद्र ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्र स्थित स्टेशन के यात्रियों को सहूलियत होगी। वे देश में कहीं का भी टिकट बुक करा सकते हैं। अभी उन्हें टिकट बुक करने बादामपहाड़ या रायरंगपुर आना पड़ता है।

25 को रद्द रहेगी टाटा बरकाकाना-टाटा पैसेंजर

रांची रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-58023/58024 टाटानगर-बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर 25 जनवरी को रद्द रहेगी। इससे इस रूट पर चलने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना होगा।

रामगढ़ में क्लासिक इंजिकॉम प्लांट में अवैध तरीके से हो रही थी स्टोन चिप्स की सप्लाई

विधायक ममता देवी ने पकड़ी अवैध खनिज लदी छह गाड़ियां

- चितरपुर सीओ ने कार्रवाई का दिया निर्देश माइनिंग इंस्पेक्टर ने दर्ज कराई प्राथमिकी

मामले की जानकारी लेतीं विधायक ममता देवी व पकड़े गए डंपर • फोटोन न्यूज

AGENCY RAMGARH : जिले में क्लासिक इंजिकॉम प्लांट के द्वारा अवैध तरीके से स्टोन चिप्स खपाया जा रहा था। इस अवैध सप्लाई पर रामगढ़ विधायक ममता देवी ने ग्रहण लगा दिया। उन्होंने न सिर्फ स्टोन चिप्स से लदी छह गाड़ियां पकड़ी, बल्कि उनके दस्तावेज की जांच कराकर उन पर बड़ी कार्रवाई भी करा दी है।

रजरप्पा थाने में मंगलवार को 6 स्टोन चिप्स लदे हाईवा पर खान निरीक्षक राहुल सिंह के बयान पर प्राथमिकी दर्ज हुई। इस मामले में चितरपुर अंचल अधिकारी दीपक मिंज ने भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी सुकरीगढ़ा गांव में सोमवार की रात जतराटूंगरी टोला के पास स्टोन चिप्स से लदे 10 हाईवा खड़े थे।

ग्रामीणों ने इस अवैध सप्लाई और ओवरलोडिंग की शिकायत विधायक ममता देवी से की। विधायक जब वहां पहुंची तो वहां से चार गाड़ियां रफू चक्कर हो गई जबकि 6 गाड़ियों को उन्होंने पकड़ा और उनके ड्राइवर को बुलाकर चालान की मांग की। इस दौरान उन लोगों ने कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद विधायक के निर्देश पर चितरपुर अंचल अधिकारी दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे और अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। हाईवा चालकों ने पुलिस को मोबाइल में चालान दिखाया लेकिन चालान निर्गत का समय रात 10:00 बजे के बाद था। वह चालान भी रांची के हरमू स्थित पते का था। ड्राइवर को या नहीं पता था कि चालान पर रांची जिला का एड्रेस लिखा हुआ है।

पूछताछ के दौरान उन लोगों ने कहा कि वे लोग दुलमी प्रखंड के जरियो गांव से स्टोन चिप्स लादकर सिकनी में स्थित क्लासिक इंजिकॉम प्लांट में अनलोड करने जा रहे थे। इस मामले में विधायक ममता देवी ने रामगढ़ डीसी और माइनिंग विभाग को निर्देश दिया है कि एक टास्क फोर्स गठित कर इस पूरे अवैध कारोबार की जांच होनी चाहिए और इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

जो भी लोग दोषी पाए जाते हैं, उन पर सख्त कार्रवाई हो, तभी सरकार का राजस्व बच सकता है। इस मामले में जांच करने पहुंचे माइनिंग इंस्पेक्टर राहुल सिंह ने बताया कि स्टोन चिप्स का सप्लाई जिन गाड़ियों से किया जा रहा था उसमें ओवरलोड था। सभी हाईवा पर क्षमता से 400 सेफ्टी अधिक स्टोन चिप्स पाया गया है। इसके अलावा जो भी चालान प्रस्तुत किया गया है, वह रांची जिला का है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अंधविश्वास के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

जागरूकता अभियान में शामिल छात्राएं • फोटोन न्यूज

PALAMU : किशुनपुर ओपी अंतर्गत डायन कुप्रथा को समाप्त करने और समाज में व्याप्त अंधविश्वास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में किशुनपुर के सामाजिक कार्यकताओं और युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। जागरूकता अभियान किशुनपुर के मुख्य स्थानों, किशुनपुर मध्य विद्यालय और किशुनपुर हाईस्कूल में आयोजित किया गया। इसमें बच्चों और स्थानीय समुदाय को डायन कुप्रथा जैसी घातक प्रथाओं के सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डायन प्रथा खत्म करने के लिए बनाए गए सख्त कानूनों की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि ऐसी प्रथाओं से जुड़ी घटनाओं को रोकने और प्रभावित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए कानून का सहारा कैसे लिया जा सकता है।

BRIEF NEWS

जागरूकता अभियान में लोगों को दी गईं कई प्रकार की जानकारियां

RANCHI : मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के बैनर तले कांके प्रखंड के ग्राम पंचायत नयाटोली बाड़ू पंचायत भवन में विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। शिविर में मुख्य रूप से बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी, दिव्यांग पेंशन,विधवा पेंशन, बाल आशीर्वाद योजना, दहेज प्रथा, डायन प्रथा, पारिवारिक हिंसा, जमीन विवाद और कई तरह के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी दी गई। मौके पर लोगों की समस्याओ को भी सुना गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप मे एलएडीसी मिस कविता कुमारी खाती मौजूद थीं। इसमें कांके प्रखंड के पीएलवी मो. आमिर सुहैल, देवंती कुमारी, बबीता कुमारी, जमील अख्तर,भानु देवी और विधि के विद्यार्थी थे।

पहाड़ी मंदिर में होगा बाबा का महारुद्राभिषेक

RANCHI : पहाड़ी मंदिर में श्रृंगार परिवार के जरिये 22 जनवरी को रामलला की प्रथम वर्षगांठ मनाई जाएगी। मुख्य मंदिर में सुबह 10 बजे 151 लीटर दूध से बाबा का महारुद्राभिषेक से किया जाएगा। इसके मुख्य यजमान श्रृंगार परिवार के पंकज कुमार गुप्ता और राजेश कुमार गुप्ता होंगे। इस दौरान मंदिर में पूजा और दर्शन करने आए अन्य लोग भी महारुद्राभिषेक में भाग ले सकते हैं। दोपहर एक बजे से बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। भजन-कीर्तन और आरती कर छप्पन भोग लगाया जाएगा। दोपहर दो बजे से भंडारा का आयोजन किया गया है।

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 25 को

RANCHI : जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 25 जनवरी को होगी। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश कार्यालय में बैठक आहूत की गई है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश जदयू अध्यक्ष व सांसद खीरू महतो करेंगे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला, नगर अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष शामिल होंगे।

शराब घोटाले के आरोपी की डिस्चार्ज याचिका पर अगली सुनवाई 30 को

RANCHI : शराब घोटाला के जरिए अवैध कमाई और मनी लॉड्रिंग करने के आरोपित योगेंद्र तिवारी की दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर अब 30 जनवरी को सुनवाई होगी। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई। दरअसल, योगेंद्र तिवारी ने खुद को निर्दोष बताते हुए 19 दिसंबर को डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। ईडी ने उन्हें 19 अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया था।

भू-राजस्व विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने तैयारी करने का दिया निर्देश

झारखंड में अब सख्ती से लगेगी डीड नंबर की हेराफेरी पर लगाम

खास एक्शन प्लान के तहत एनआईसी के सॉफ्टवेयर में किया जाएगा सुधार

जमीन संबंधी विवाद व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए विभाग सक्रिय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में जमीन संबंधी विवाद और इस पर पनपे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भू-राजस्व विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने तैयारी करने का निर्देश विभाग को है। उन्होंने अब फर्जी डीड पर लगाम लगाने की तैयारी कर ली है। मंत्री ने भू-राजस्व विभाग को इसके लिए खास एक्शन प्लान के तहत नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के सॉफ्टवेयर में सुधार करने का निर्देश दिया है। साथ ही विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हर हाल में इस पर लगाम लगाने की जरूरत है। मंत्री दीपक बिरुआ ने फर्जी डीड के माध्यम से किये जानेवाले भ्रष्टाचार पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति डीड अप्लाई करता है तो संबंधित व्यक्ति को डीड का यूनिक नंबर मिलता है। लेकिन, उसमें छोटीझमोटी खामियां निकालकर उसके डीड को कैंसिल कर दिया जाता है। ठीक इसके कुछ ही दिन बाद दोबारा संबंधित व्यक्ति के उसी डीड नंबर को उसके आगे-पीछे यूनिक नंबर लगाकर दोबारा डीड अप्लाई करवाया या किया जाता है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। इसी चक्कर में लंबित म्यूटेशन के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने निदेश दिया कि विभाग एक ही जमीन के लिए दोबारा डीड अप्लाई करने पर पूरी तरह से लगाम लगाए, ताकि फर्जी डीड बनाकर गलत तरीके से म्यूटेशन करने पर भी रोक लग सके।

उम्दा सॉफ्टवेयर से रुकेगा फर्जीवाड़ा

मंत्री ने निर्देश देते हुए कहा है कि एनआईसी उम्दा सॉफ्टवेयर बनाए। दोबारा डीड अप्लाई करने पर तत्काल उसपर रोक लगाने की दिशा में काम करें। इससे विभिन्न अंचलों में लंबित म्यूटेशन के मामले घटेंगे। साथ ही अंचल कर्मियों को जमीन संबंधित बाकी काम निपटारा करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा है कि पुरखों की जमीन पर कुछ अंचलाधिकारी कर्मी किसी खास व्यक्ति के इशारे पर जमीन अपने नाम या किसी चहेते के नाम कराने का धंधा चला रहे है। ऐसे पदाधिकारियों को चिह्नित कर उनपर कार्रवाई की जाएगी। गलत व्यवस्था पर अबुआ सरकार कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

आदिवासी-मूलवासी जमीनी हकीकत से दूर

मंत्री ने कहा कि झारखंड में आदिवासी मूलवासियों को कई मायने में जमीन के संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। अपनी ही जमीन की रसीद कटवाने या अन्य छोटे मोटे कार्यों के लिए बारझबार अंचल और यहां वहां दौड़ना पड़ता है। उसका बिचौलिये गलत लाभ उठाते है। किसी भी हाल में जमीन संबंधित विवाद पर फजीर्वाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आमजनों की तमाम समस्याओं पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

बढ़ते उद्योगों से खत्म हो रही लोगों की पहचान : भुवनेश्वर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में विस्थापन एक गंभीर समस्या बन चुका है। खासकर आदिवासी, दलित और मुलवासी समुदायों के लिए। कोल इण्डिया की सहायक कंपनियों जैसे सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीसीएल, सेल बोकारो, डीवीसी, एचईसी, थर्मल पावर स्टेशन और निजी उद्योगों के कारण 45 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। इन उद्योगों से प्रभावितों की संख्या बढ़कर एक करोड़ तक पहुंच सकती है। विस्थापितों की स्थिति इतनी खराब है कि कई परिवारों का कोई ठिकाना नहीं है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया लगातार जारी है, जिससे आम लोगों को अपनी पहचान और जमीन से हाथ धोना पड़ रहा है। इसे लेकर 24 मार्च को विधानसभा का घेराव करेंगे। 16 फरवरी से हमारा आंदोलन शुरू हो जाएगा। इसके बाद हमारा आंदोलन तबतक जारी रहेगा जबतक कि सरकार इस पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। यह बातें मंगलवार को प्रेस क्लब में झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कही। इस दौरान पुष्कर महतो, गयानाथ पाण्डेय, महेश पांडे, नेमन यादव, विनय कुमार, गणेश महतो, मो हकीम मौजूद रहे। मेहता ने कहा कि झारखंड में सार्वजनिक और निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर घटे हैं। कई उद्योगों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम चलाया जा रहा है, जबकि एचईसी जैसी संस्था को बंद करने की योजना है। उदाहरण के तौर पर सेल बोकारो में 34,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ, लेकिन केवल 20,000 एकड़ का ही उपयोग हुआ है।

पेनाल्टी शूट आउट में ओडिशा ने सूरमा क्लब को 2-0 से दी मात

मंगलवार को मोरहाबादी के जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में सूरमा हॉकी क्लब और ओडिशा वारियर्स के बीच मैच खेला गया। इसमें विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। इस दौरान ओडिशा वारियर्स ने सूरमा हॉकी क्लब को 2-0 से हरा दिया। इससे पहले दोनों ही टीमें शुरूआत से मैच के दौरान जोर लगाती नजर आईं। दोनों ही टीमों ने पूरा प्रयास किया। लेकिन, खिलाड़ी गोल करने में सफल नहीं हुए। हालांकि मैच के दौरान दर्शकों ने पूरा आनंद लिया। हर शॉट पर उनका उत्साह देखने लायक था। लेकिन, गोल नहीं होने से वे निराश भी दिखे। जब मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट तक पहुंचा तो दर्शकों का जोश बढ़ गया। हर शॉट के बाद इंडिया-इंडिया के नारे लगते रहे। इससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ने लगा। ओडिशा वारियर्स ने पेनाल्टी शूटआउट में 2 गोल दागे, जबकि सूरमा हॉकी क्लब के खिलाड़ी एक भी गोल नहीं कर सके।

जनता की सभी शिकायतों को रजिस्टर में करें दर्ज : डीजीपी

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीजीपी अनुराग गुप्ता। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम होगा। इसे लेकर पुलिस मुख्यालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राज्य भर के पुलिस अधिकारियों ने पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों के अनुभवों की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रम को लेकर दिशा-निर्देश दिए। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने निर्देश दिया कि आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का निष्पादन त्वरित गति से किया जाए। यदि संभव हो तो ऑन द स्पॉट समाधान किया जाए। इतना ही नहीं पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी तुरंत शिकायतकर्ता को दी जाए। साथ ही पुलिस द्वारा प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज की जाए और ऑनलाइन शिकायतों के लिए मोबाइल, व्हाट्सएप नंबर और ईमेल आईडी की व्यवस्था कर प्रचार-प्रसार किया जाए। अनुराग गुप्ता ने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत को रजिस्टर में दर्ज किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ता को पावती संख्या के साथ संपर्क नंबर उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त सभी पुलिस अधीक्षक को सलाह दिया गया कि वे रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी का गठन करें, जिससे क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान किया जा सके। इसके अलावा बैठक में गुमशुदा बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, नये अपराध कानूनों के तहत जीरो एफआईआर, आनलाइन एफआईआर और साइबर अपराधों के बारे में भी जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए। कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत त्वरित कार्रवाई करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

बैठक में मनोज कौशिक पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय झारखंड, एवी होमकर पुलिस महानिरीक्षक (अभियान), प्रभात कुमार पुलिस महानिरीक्षक (विशा) असीम विक्रांत मिंज पुलिस महानिरीक्षक, ए वियजालक्ष्मी पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) कार्तिक एस पुलिस उप-महानिरीक्षक, रांची, धनंजय कुमार सिंह पुलिस उप-महानिरीक्षक (जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट), अश्विनी कुमार सिन्हा पुलिस उप-महानिरीक्षक (वायरलेस), शैलेंद्र प्रसाद वर्णवाल पुलिस उप-महानिरीक्षक, रांची, चंदन कुमार झा पुलिस उप-महानिरीक्षक (एसआईबी) व अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

● जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आज, पुलिस अधिकारी सुनेंगे जनता की शिकायत

नशे के सामान पर लगे रोक

पुलिस अधिकारियों को अफीम की खेती, ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री, नशीले पदार्थों के सेवन और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मानव तस्करी, साइबर अपराध और चिटफंड कंपनियों से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए कार्य योजना तैयार करने की बात की गई।

हेमंत सरकार ने कोरोना जैसी आपदा में भी ढूंढ लिया लूट का अवसर : अमित

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से 1300 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन अभी तक इसका हिसाब नहीं दिया गया है। मंडल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में यह आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने केंद्र से मिली राशि का सही तरीके से उपयोग नहीं किया और इसके वितरण का कोई ठोस रिकॉर्ड पेश नहीं किया। मौके पर भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाईक भी मौजूद थे। अमित मंडल ने बताया कि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत स्वास्थ्य, ग्रामीण स्थानीय निकाय, नगर निकाय और आपदा प्रबंधन विभाग को 2026 तक केंद्र सरकार से 13000 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके बावजूद राज्य सरकार ने राशि का सही तरीके से उपयोग नहीं किया है। मंडल ने कहा कि 16वें वित्त आयोग के गठन से पहले सभी राज्यों को एनडीएमआईएस पोर्टल पर अपने डाटा को अपडेट करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन झारखंड सरकार द्वारा डाटा अपडेट नहीं किया गया है।

आपदा फंड का भी हिसाब नहीं

मंडल ने आरोप लगाया कि कृषि विभाग ने सूखा राहत के लिए आपदा फंड का इस्तेमाल किया, लेकिन इसका हिसाब अभी तक लंबित है। स्वास्थ्य विभाग के 700 करोड़ रुपये और कृषि विभाग के 600 करोड़ रुपये का हिसाब भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या ये पैसे गबन हो गए या फिर भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गए? उन्होंने सरकार से यह सवाल किया कि राज्य के पास आपदा से निपटने के लिए कितनी राशि उपलब्ध है और भविष्य में किसी भी आपदा से निपटने के लिए सरकार की योजना क्या है।

झारखंड की 4 लड़कियों का इंडिया अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में चयन

RANCHI : राजधानी रांची की दिव्यानी लिंडा सहित झारखंड की 4 लड़कियों का चयन इंडिया अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम के लिए किया गया है। दिव्यानी के अलावा, गुमला से अनिता और सूरजमनी कुमारी तथा हजारीबाग से अनुष्का कुमारी का चयन हुआ है। टीम में दिव्यानी लिंडा का चयन देश के लिए गर्व की बात है। वह एक गरीब परिवार से आती हैं और अब देश की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में अपनी जगह बनाएंगी। दिव्यानी लिंडा के चयन पर रांची के सांसद संजय सेठ, स्टार वारियर्स के संरक्षक और समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, डॉ शाहनवाज कुरैशी सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है और उनकी सफलता की कामना की है।

मिलन समारोह में पवन तिग्गा सहित सैकड़ों लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

माला पहनाकर भाजपा की सदस्यता दिलाते बाबूलाल मरांडी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में मिलन समारोह सह सदस्यता कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लोकहित अधिकार पार्टी के पवन तिग्गा के नेतृत्व में लोहरदगा से आए सैकड़ों लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण करने वालों में सुकरु उरांव, शशि नंदन भगत, तपेश्वर प्रजापति, एतवा उरांव, इलीशिबा मिंज, तारा भगत, सुरेशचंद्र साहू, लोलेन एक्का और बिमोला मिंज सहित लोकहित अधिकार पार्टी के लोहरदगा जिला के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा एक विशाल परिवार है, जिसके 12.5 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अंत्योदय के साथ गांव, गरीब, किसान, दलित और आदिवासी की सेवा कर रही है। आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत का संकल्प हम सभी को मिलकर पूरा करना है। मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार में रोज नए-नए भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो, जिसमें स्कूल के शिक्षक द्वारा साइकिल के लिए छात्र से 400 रुपये की मांग की जा रही है पर कहा कि भ्रष्टाचार से अब स्कूल के बच्चे भी अछूते नहीं हैं।

मीटिंग : हरेराम त्रिपाठी की पुस्तक व कनक किशोर की पत्रिका का किया गया लोकार्पण

भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन पर हुआ मंथन

PHOTON NEWS RANCHI : नामकुम स्थित समृद्धि पार्क में अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन की प्रवर समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक प्रवर समिति के सम्मानित सदस्य आचार्य डॉ. हरेराम त्रिपाठी 'चेतन' की अध्यक्षता एवं महामंत्री प्रो. डॉ. जयकांत सिंह 'जय' के संचालन में संपन्न हुई। इसमें सम्मेलन के अगले अधिवेशन के लिए बिहार व झारखंड की ओर से दो मौखिक आमंत्रण मिले। इस पर 15 फरवरी के बाद निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर आचार्य चेतन की पुस्तक 'कस्तुरी गंध' कनक किशोर की पत्रिका 'जोहार भोजपुरी माटी : किसान अंक' एवं भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका के नए दो अंकों का लोकार्पण किया गया। मौके पर छत्तीसगढ़, झारखंड एवं बिहार के कई भोजपुरी प्रेमी सम्मेलन के विशिष्ट आजीवन सदस्य, आजीवन सदस्य, वार्षिक सदस्य तथा पत्रिका के आजीवन एवं वार्षिक सदस्य बने। सम्मेलन पत्रिका के रामेश्वर सिंह काश्यप तथा डॉ. जितराम पाठक विशेषांक के अलावा पहले से सम्मेलन पत्रिका में अब तक छपे आलोचनात्मक एवं शोधपरक आलेखों का संकलन निकालने पर विचार किया गया। इसके अलावा भोजपुरी शिक्षा, अकादमी की वर्तमान व्यवस्था, पटना में भोजपुरी भवन आदि से संबंधित कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में डॉ. वीणा पांडेय 'भारती' की मंगलाचरण, कनक किशोर के स्वागत भाषण एवं अंकुश्री के धन्यवाद ज्ञापन के बीच डॉ. महामाया प्रसाद विनोद (कार्यकारी अध्यक्ष), डॉ. प्रसेनजित तिवारी (सदस्य, प्रवर समिति), डॉ. अजय ओझा (उपाध्यक्ष), जितेंद्र कुमार (कोषाध्यक्ष), दिलीप कुमार (कार्यालय मंत्री), उदय नारायण सिंह (कला-संस्कृति), शिवानुग्रह नारायण सिंह (मीडिया), माधवी उपाध्याय, अरविंद श्रीवास्तव, विनोद कुमार सिन्हा आदि के उद्बोधन-संबोधन से बैठक में कई विचारणीय प्रस्ताव पारित हो सके।

कार्यक्रम में उपस्थित भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के सदस्य। • फोटोन न्यूज

पुलिस ने धुर्वा डैम से युवती का शव किया बरामद

RANCHI : मंगलवार को नगड़ी थाना पुलिस को धुर्वा डैम से एक युवती का शव मिला। पुलिस ने स्थानीय गोताखोर के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाल लिया है। नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि शव की शिनाख्त हटिया निवासी नरेश कच्छप की पुत्री एनी अनुष्का कच्छप के रूप में की गई है। युवती के परिजनों के अनुसार, पढ़ने के लिए कहने पर नाराज होकर वह घर से 16 जनवरी को निकली थी। इस संबंध में युवती के परिजनों ने जगन्नाथपुर थाने में उसके गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था। थाना प्रभारी ने बताया कि युवती के शरीर पर किसी प्रकार के जख्म के निशान नहीं है। आशंका है कि युवती ने डैम में कुदकर आत्महत्या की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

राज्य की जनता को झारखंड में ही मिलेगा बेहतर इलाज : इरफान

अधिकारियों से बात करते स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के विस्तार के तहत रिम्स-2 भवन का निर्माण कार्य शुरू किया जाना है। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को रिम्स-2 के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राज कमल, मुख्य अभियंता और रिम्स प्रबंधन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य की जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि रिम्स-2 का शिलान्यास अगले 15 दिनों में मुख्यमंत्री के हाथों होगा और निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। झारखंड में ही राज्य की जनता को बेहतर इलाज मिलेगा।

समाचार सार

डीसी ने किया शहीद स्मारक स्थल का निरीक्षण

CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने मंगलवार को टोन्टो प्रखंड के सेरेंगसिया स्थित शहीद स्मारक स्थल का निरीक्षण किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो व जिला नजारत उपसमाहर्ता देवेंद्र कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान वरीय पदाधिकारी ने स्मारक स्थल के भीतरी एवं बाहरी भाग का भ्रमण कर वहां उपलब्ध व्यवस्था का अवलोकन करते हुए 2 फरवरी को मनाए जाने वाले शहीद दिवस को लेकर आयोजन समिति से बात की।

सर्कस मैदान में लगा मेगा टुसु मेला

GHATSILA : दाहीगोड़ा कल्चरल एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को सर्कस मैदान में मेगा टुसू मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया। मेले में जिले भर के विभिन्न गांव से टुसु प्रतिमा लाई गई। बुढ़ी-गाड़ी नृत्य के साथ-साथ कई आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। लोगों ने इसका जमकर आनंद लिया। इस मौके पर बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, एसडीओ सुनील चंद्र, एसडीपीओ अजीत कुजूर, सीओ निशांत अंबर, अमित राय, कंचन कर सहित टुसू मेला कमेटी के सदस्य व झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केंदपोसी डिग्री कॉलेज का शिलान्यास 24 को

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया में 24 जनवरी को डिग्री कॉलेज का शिलान्यास होगा। इसे लेकर मंगलवार को झामुमो कार्यालय में पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम को संचालित करने के लिए कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।

नेताजी जयंती पर बंग बंधु का होगा भव्य आयोजन

JAMSHEDPUR : सामाजिक संस्था बंग बंधु 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाएगी। साकची स्थित बंगाल क्लब में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संस्था की अध्यक्ष अपर्णा गुहा और महासचिव उत्तम गुहा ने बताया कि 23 जनवरी को सुबह संस्था के चारों जोन परसुडीह, सुंदरनगर, कदमा, सोनारी, बारीडीह, टेल्को बिरसानगर, साकची, मानगो, बिष्टुपुर से महिलाएं, बच्चे और पुरुष एकत्र होकर साकची पहुंचेंगे। साकची आई हॉस्पिटल से सुबह 11 बजे विशाल झांकी निकाली जाएगी।

सड़क सुरक्षा माह में हुआ क्रिकेट मैच

CHAIBASA : सड़क सुरक्षा माह 1 से 31 जनवरी तक मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को पदाधिकारी एकादश एवं कर्मी एकादश के बीच क्रिकेट मैच हुआ। पदाधिकारी एकादश के कप्तान चाईबासा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाहामन टुटी एवं कर्मी एकादश के कप्तान के अन्दलीव हुसैन कर रहे थे। 16 ओवर के इस मैच में कर्मी एकादश ने 89 रन बनाए, जिसके बाद पदाधिकारी एकादश 6 ओवर शेष रहते हुए जीत लिया। इस जीत के हीरो रहे पुलिस विभाग के श्रीपद को मैन ऑफ द मैच से पुरस्कृत किया गया।

गुलमोहर की प्रिंसिपल बेंगलुरु में सम्मानित

JAMSHEDPUR : टेल्को स्थित गुलमोहर हाई स्कूल की प्रिंसिपल प्रीति सिन्हा को बेंगलुरु में राष्ट्रीय श्री श्री अवार्ड 2025 के तहत 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक' सम्मान से सम्मानित किया गया है। मंगलवार को यह पुरस्कार आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर ने प्रदान किया, जिसमें उन्हें शील्ड, प्रमाणपत्र और 51,000 रुपये नकद भेंट किया गया।

को-ऑपरेटिव में 50 शिक्षकों-कर्मियों की हुई जांच

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में हेल्थ एंड वेलनेस समिति और रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ग्रीन ने मंगलवार को स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया, जिसमें 50 शिक्षकों व कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूएचओ से जुड़े डॉ. केके लाल, एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएनप्रसाद, रोटरी क्लब की नीलिमा जायसवाल भी मौजूद थे।

संतोष हत्याकांड में पुलिस ने कुछ लोगों को उठाया, कर रही पूछताछ

पुलिस को मिले सुराग, डब्बू दीक्षित के बेटे रोहित पर टिकी शक की सुई

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना क्षेत्र के गुरूद्वारा रोड पर पूर्व कांग्रेसी नेता जितेंद्र सिंह के भाई संतोष सिंह की हत्या साल 2014 में हुई भाजपा नेता डब्बू दीक्षित की हत्या का बदला लेने के लिए की गई थी। इस मामले में मृतक संतोष सिंह के बड़े भाई जितेंद्र सिंह के आवेदन पर पुलिस ने डब्बू दीक्षित परिवार के लोगों के अलावा कई अन्य लोगों को नामजद किया है। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि ट्रांसपोर्टर संतोष सिंह की हत्या में डब्बू दीक्षित के बेटे रोहित दीक्षित का हाथ है। रोहित दीक्षित ने ही हत्या की घटना का प्लान बनाया था। वही इसका मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इस मामले में डब्बू दीक्षित का बेटा रोहित दीक्षित मुख्य आरोपी है। इसके अलावा दीक्षित परिवार के प्रेम दीक्षित, डोली दीक्षित, गीता दीक्षित और उनके साथियों विमल गोप उर्फ टकला, शुभम कुमार, निखिल सिंह, गुरुद्वारा रोड के ही रहने वाले रौनक सिंह व घनश्याम सिंह समेत अन्य लोगों को नामजद किया गया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने दीक्षित परिवार के घर पर छापामारी की। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। माना जा रहा है कि पुलिस इस हत्याकांड का जल्द खुलासा कर देगी।

घटनास्थल पर जांच करते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

सितंबर 2014 में हुई थी डब्बू दीक्षित की हत्या

मानगो थाना क्षेत्र के गुरुद्वारा रोड पर सितंबर 2014 में डब्बू दीक्षित की हत्या हुई थी। इस मामले में कई लोग नामजद हुए थे। नामजद आरोपियों में पूर्व कांग्रेसी नेता जितेंद्र सिंह, उसका भाई संतोष सिंह भी था। इन दोनों को पुलिस ने इस मामले में जेल भी भेजा था।

सफेद स्कूटी पर बैठा था रोहित

सूत्र बताते हैं कि पुलिस ने रोहित दीक्षित को पकड़ लिया है। पुलिस का कहना है कि रोहित दीक्षित ने संतोष सिंह की हत्या की साजिश रची और वह कई दिन से संतोष की रेकी कर रहा था। बताया जा रहा है की घटना वाले दिन रोहित सफेद रंग की स्कूटी पर था। उसका एक साथी गाड़ी चला रहा था। रोहित ने भी संतोष पर गोलियां बरसाईं और उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

बाइक से गिरकर एक की मौत, दूसरा घायल

CHAKRADHARPUR : रांची- चाईबासा मुख्य मार्ग पर मंगलवार शाम को कराईकेला थाना अंतर्गत नकटी पुल के पास बाइक से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के मुताबिक नकटी गांव निवासी जुलसी बांकिरा व भरडिया गांव निवासी दुर्गा मुंडू बाइक में सवार होकर नकटी साप्ताहिक हाट बाजार आए थे। वापस लौटने के दौरान बाइक अनियंत्रित हो गया, जिससे जुलसी बांकिरा के सिर में गंभीर चोट लगी। वहीं दुर्गा मुंडू भी घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर कराइकेला थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और एंबुलेंस में दोनों घायलों को लेकर चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने जुलसी बांकिरा को मृत घोषित कर दिया। दुर्गा मुंडू का प्राथमिक उपचार करने के बाद सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने लिया बेकरी का नमूना

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त के निदेशानुसार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने मंगलवार को चाईबासा स्थित आदर्श बेकरी से कुकीज का नमूना संग्रह किया। उन्होंने बताया कि इस बेकरी के संचालक द्वारा फूड लाइसेंस के लिए दिए गए आवेदन के आलोक में आज निरीक्षण में पाया गया कि बेकरी संचालक द्वारा एफएसएसएआई प्रमाणित सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। निरीक्षण के क्रम में पेस्ट ट्रीटमेंट सर्टिफिकेट, कर्मियों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट, फूड सेफ्टी प्रशिक्षित कर्मी, परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई नहीं पाई गई। उक्त त्रुटियों के निवारण के लिए कारोबारी को नोटिस दिया गया है एवं 30 दिन के अंदर संबंधित सुधार कर पुनः आवेदन करने को कहा गया है।

सुरक्षा बलों ने बरामद किए 21 आईईडी, जंगल में किया नष्ट

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस नक्सलियों के विरुद्ध अभियान चला रही है। इसी क्रम में मंगलवार को नक्सलियों द्वारा पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए रखे विस्फोटक की खेप बरामद की। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को पोड़ाहाट क्षेत्र में अभियान चलाया गया। कराईकेला थानान्तर्गत ग्राम सेरेंगदा के कुचा टोला के पास के जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए 21 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद किया। सभी आईईडी को बम निरोधक दस्ते ने उसी स्थान पर निष्क्रिय कर दिया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने एक पुराने नक्सली डम्प को ध्वस्त किया, जिसमें निम्नलिखित सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने 2-2 किलो के 12 आईईडी, 1-1 किलो के 9 आईईडी और जिलेटिन की 55 छड़ें बरामद कीं। इस संबंध में एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

बरामद बम व जिलेटिन • फोटोन न्यूज

लोको पायलट रीतिका को राष्ट्रपति का निमंत्रण

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेलवे की सहायक लोको पायलट रीतिका तिर्की को राष्ट्रपति भवन से एट होम रिसेप्शन में शामिल होने का न्योता मिलने पर टाटानगर रेलवे में खुशी की लहर है। टाटानगर के एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल ने संवाददाताओं से मंगलवार को कहा कि महिला रेलकर्मी को सम्मान मिलने हम सभी खुश है। उन्हें जैसे ही इस बात का पता चला, वे काफी खुश हुए। उन्होंने कहा कि रीतिका पहली आदिवासी महिला हैं, जो प्रधानमंत्री द्वारा ऑन लाइन उद्घाटन करने के पश्चात टाटा-पटना वंदेभारत चला रही हैं। वंही रीतिका ने कहा कि जब उसे राष्ट्रपति भवन से पत्र मिला, तब से ही घर और रेलवे विभाग मे खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक खुशी है कि मुझे एक महिला राष्ट्रपति के हाथों मुझे सम्मानित किया जाएगा।

फूस के घर में आग लगने से परिवार हो गया बेघर

GHATSILA : बहरागोड़ा प्रखंड के खंडामौदा पंचायत अंतर्गत दीघबर्दा गांव में शॉर्ट सर्किट के कारण मंगलवार को फूस के एक घर में आग लग गई, जिससे पूरा घर जल कर राख हो गया। घर जल जाने के कारण पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। गृहस्वामी दुर्गापद गिरी ने बताया कि सोमवार रात को घर के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। आधी रात को बाहर से चिल्लाने की आवाज मिलने पर घर के सारे सदस्य दौड़कर बाहर आए तो देखा कि घर का ऊपरी हिस्सा जल रहा है। इस परिस्थिति में ग्रामीणों द्वारा तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक घर में रखें सारे सामान जल कर राख हो चुके थे। गृहस्वामी के अनुसार, घर के अंदर दस हजार नकद, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बच्चों का स्कूल सर्टिफिकेट समेत घर के सभी सामान जल गए। वहीं सूचना मिलने पर मुखिया पंचानन मुंडा मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर कंबल, चावल, कपड़ा तथा आर्थिक सहयोग किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को जल्द आवास दिलाने का आश्वासन दिया।

अपनी पीड़ा बताते दुर्गापद गिरी

डीसी के जनता दरबार में पहुंचे दूर-दूर से फरियादी

समाहरणालय में लोगों की शिकायत सुनते उपायुक्त रविशंकर शुक्ला

SERAIKELA : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार लगाया, जिसमें दूर-दूर से फरियादी पहुंचे। साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए आए लोगो से क्रमवार मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हो उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदन का नियमानुसार यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी योग्य लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि संबंधित मामले, तमोलिया कपाली मुख्य मार्ग में नाला निर्माण, राजनगर प्रखंड के बड़ासिजुलता पंचायत के रामपुर में सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार, गम्हरिया प्रखंड के बाघरायसाईं में सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार आदि मामले आए।

चेहरा देख कर काम न करे जेएनएसी व जुस्को : सरयू

कदमा-सोनारी के सफाई ठेकेदार लापता, इलाकों में फैलती जा रही गंदगी

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने जेएनएसी और टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व नाम जुस्को) के अधिकारियों से कहा है कि वे क्षेत्र में जनसुविधाओं का काम जनहित में करें, किसी व्यक्ति का चेहरा देख कर नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई मंत्री रहा हो या कोई दबंगई दिखाए तो आप उसे दो दर्जन मजदूर दे देंगे और जहां जनता का सवाल आए, तो वहां आप चुप्पी साध लेंगे। यह नहीं चलेगा। एक बार दोनों एजेंसियों के अफसरों को बस्तियों का दौरा करना चाहिए, ताकि इन्हें पता चल सके कि लोग रोज कचरा, नाले, साफ-सफाई आदि की किन समस्याओं से जूझ रहे हैं। एक बयान में सरयू राय ने कहा कि जेएनएसी के उप नगर आयुक्त, जुस्को के अफसरों और भूमि विभाग के अधिकारियों संग सोमवार को बैठक की थी। इस बैठक में जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार, जुस्को के महाप्रबंधक आरके सिंह, पेयजल विभाग के प्रभारी संजीव झा और टाटा लैंड के अमित सिंह आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद कदमा, सोनारी जैसे इलाकों में सफाई की व्यवस्था लचर हो गई है। बस्तियों में पीने के पानी के लिए जो कनेक्शन चार्ज तय किया गया है, वह बस्तीवासियों के लिए काफी अधिक है। उन्होंने याद दिलाया कि कि जुस्को ने चुनाव के पहले तक कदमा और सोनारी में सफाई के लिए तत्कालीन विधायक और मंत्री को 25 सफाईकर्मी दे रखा था। इन 25 सफाईकर्मियों का उपयोग वह (पूर्व मंत्री सह विधायक) अपनी मर्जी से करते थे। चुनाव होते ही ये सभी कर्मचारी सफाई के काम से गायब हो गए। राय ने कहा कि वह यह नहीं चाहते कि ये सफाईकर्मी उनके कहने पर काम करें, बल्कि नैतिकता का तकाजा है कि जुस्को को इतने ही कर्मचारी जेएनएसी को दे देना चाहिए, ताकि जेएनएसी सफाई कार्य में इनका इस्तेमाल कर सके। इसी तरह से पेयजल के बारे में जुस्को के अधिकारियों का कहना है कि झारखंड सरकार ने 1 जनवरी 2021 से जो दर लागू किया है, वह वही दर ले रहे हैं।

विधायक सरयू राय

औद्योगिक नगर समिति का औचित्य क्या

विधायक ने कहा कि पिछले दो साल में आधा दर्जन से ज्यादा बार जेएनएसी और टाटा स्टील यूवाईएसएल के अधिकारियों के बयान अखबारों में छपे कि सफाई और कचरा उठाने का पूरा काम कदमा-सोनारी क्षेत्र में टाटा स्टील यूआईएसएल करेगा। सरकार ने एक औद्योगिक नगर समिति भी बना दिया है। आश्चर्य है कि कल की बैठक में टाटा स्टील यूआईएसएल ने सफाई के काम से इनकार कर दिया। यानी, अब जेएनएसी को ही बस्तियों की सफाई का काम भी करना पड़ेगा, जो टाटा लीज क्षेत्र के बाहर की हैं। राय ने यह जानना चाहा कि पहले जो वक्तव्य दिए गए थे, उनका आधार क्या था और अब अचानक इस परिवर्तन की वजह क्या है। इस संबंध में इन्हें स्पष्टीकरण देना होगा। टाटा स्टील यूआईएसएल कह दे कि वह सफाई नहीं करेगा, तो हम लोग उसके विकल्प के बारे में विचार करेंगे। तब जो औद्योगिक नगर समिति का गठन हो रहा है, वह पूरी तरह बेमानी हो जाएगा।

सुबह से शाम तक बिष्टुपुर में चहुंओर दिखी भीड़, सड़कों के किनारे लगी थीं छोटी-बड़ी गाड़ियां

टुसु गीतों से गुलजार रहा गोपाल मैदान, चौड़ल से बढ़ी रौनक

PHOTON NEWS JSR : झारखंड वासी एकता मंच की ओर से बिष्टुपुर के गोपाल मैदान में मंगलवार को विशाल टुसु मेला का आयोजन हुआ, हुआ जिसमें न सिर्फ राज्य की सांस्कृतिक व पारंपरिक गीत-नृत्य की प्रस्तुति हुई, बल्कि दूरदराज व आसपास के राज्यों से आये आकर्षक टुसु, चौड़ल व बूढ़ी गाड़ी नाच के लिए नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही मेला में आनेवाले सभी प्रतिमा व चौड़ल के लिए सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। पुरस्कार के मद में लाखों रु बांटे गए। कार्यक्रम में बतौर अतिथि राज्य के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद बिद्युत बरण महतो, विधायक सबिता महतो, पूर्व सांसद सुमन महतो, पूर्व पार्षद सारथी महतो, मंच के मुख्य संयोजक आस्तिक महतो, बिल्डर फणीन्द्र महतो, रमेश हांसदा, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, बिल्डर विकास सिंह, आर के सिन्हा आदि मौजूद थे। अपने संबोधन में सांसद बिद्युत महतो ने कहा कि आज झारखंड की भाषा व संस्कृति खतरे में है, जिसे बचाने की जरूरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पार्षद खगेन महतो, पूर्व पार्षद स्वपन महतो, सुखदेव महतो, बबलू महतो, सचिन महतो, सुनील महतो मीता, करमू हांसदा, चुनका मार्डी, लालटू महतो, सत्यनारायण महतो आदि की भूमिका अहम रही।

बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में उमड़ी भीड़ व चारो ओर दिख रहे चौड़ल • फोटोन न्यूज

ठेला खोमचावालों की भी रही चांदी : मेला में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी थी। इस अवसर पर काफी संख्या में ठेला खोमचा वाले भी थे। मेला परिसर के बाहर गोलगप्पा, चना, मिठाई, चाय, बादाम आदि के दुकान लगे थे, जिसका आनंद वहां आनेवाले लोगों ने खूब उठाया।

रंजीत महतो एंड टीम ने बांधा समा : मशहूर झूमर गायक रंजीत महतो (मनोहरपुर) ने अपनी नृत्य टीम के साथ कई गीत गाकर समा बांध दिया।

मेला में टुसु के लिए सात, चौड़ल के लिए चार तथा बूढ़ी गाड़ी नाच के लिए चार विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। टुसु विजेताओं को प्रथम से सप्तम क्रमशः 31 हजार, 25 हजार, 20 हजार, 15 हजार, 11 हजार, 7 हजार व 5 हजार रु दिया गया। चौड़ल के लिए क्रमशः 25 हजार, 20 हजार, 15 हजार 11 हजार रु शामिल थे। वहीं बूढ़ी गाड़ी नाच के लिए क्रमशः 15 हजार, 11 हजार, 7 हजार व 5 हजार रु शामिल है।

अतिथियों ने किया शहीदों को माल्यार्पण

मेला में मुख्य मंच के समीप झारखण्ड अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़नेवाले व मेला आयोजन में महती भूमिका निभानेवाले लोगों के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। उन चित्रों में शहीद रघुनाथ महतो, शहीद बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, शहीद निर्मल महतो, शहीद सुनील महतो, स्व सुधीर महतो व पूर्व विधायक साधु चरण महतो के नाम शामिल है।

ऑटो में हेलीकॉप्टर रहा आकर्षण का केंद्र

मेला में वैसे तो कई नृत्य व गीत दल आकर्षण का केंद्र रहा, लेकिन एक ऑटो को हेलीकॉप्टर का रूप देना विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उक्त ऑटो एक स्थान पर भ्रमण करता रहा, जिसे देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी।

वेलफेयर फंड के लिए एएलसी से मिली माइंस लेबर यूनियन

सहायक श्रमायुक्त से वार्ता करते यूनियन के पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

GHATSILA : मुसाबनी माइंस लेबर यूनियन का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को श्रमायुक्त कार्यालय गया। यहां यूनियन के अध्यक्ष अखिलेश्वर सिंह व महामंत्री सनत काल्टू चक्रवर्ती के नेतृत्व में एचसीएल-आईसीसी प्रबंधन के अधिकारियों के साथ सहायक श्रम आयुक्त सर्वेश कुमार से उनके चाईबासा स्थित कार्यालय में मिले। प्रतिनिधिमंडल ने मुसाबनी माइंस वर्कमेन वेलफेयर फंड की 38 साल पुरानी बकाया राशि के भुगतान की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने तथा भुगतान की प्रक्रिया शुरू करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की। इससे सम्बंधित सभी जरूरी दस्तावेज सहायक श्रमायुक्त को सौंपे। इस मुलाकात में सभी कि मौजूदगी में 31 दिसंबर 2024 तक वेलफेयर फंड के खाते में जमा राशि को आधार मानते हुए उसी जमा राशि के आधार पर सभी उपलब्ध लाभार्थियों की सूची के अनुसार भुगतान करने का निर्णय लिया गया।

BRIEF NEWS

जदयू नेता विश्वनाथ से मांगी 5 लाख की रंगदारी

ARA : बिहार में नेताओं और कारोबारियों से रंगदारी मांगने के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा केस आरा से आया है। यहां सत्ताधारी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के एक नेता से रंगदारी की मांग की गई है। रंगदारी नहीं देने पर उनकी और उनके परिवार की हत्या करने की धमकी भी दी गई है। जेडीयू नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इस संबंध में आरा के नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जेडीयू नेता विश्वनाथ ने पुलिस को बताया कि रविवार की रात वह गौसीगंज स्थित अपने आवास पर थे। तभी रात 10 बजे उनके मोबाइल पर एक फोन आया। कॉल करने वाले उन्हें गाली देते हुए 5 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। नहीं देने पर घर में घुसकर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी गई। इसके बाद सोमवार सुबह भी करीब सवा 8 बजे दोबारा कॉल आया और रंगदारी की मांग की गई। हाल ही में आरजेडी से राज्यसभा सांसद संजय यादव से भी फोन पर बदमाशों ने 20 करोड़ रुपये की रंगदारी की मागं की गई थी। इस संबंध में सांसद की ओर से पटना में केस दर्ज कराया गया, जिसकी जांच की जा रही है।

युवक ने पंखे से लटक कर की आत्महत्या

BHAGALPUR : जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के काजीपुरा गांव के रहने वाले मोहम्मद नसीम उर्फ कालू ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। घटना को लेकर परिजन ने बताया कि बीते शाम नसीम घर में अकेले था। किस समय नसीम फंदे से लटका यह पता नहीं है। नसीम के पिता ने मंगलवार सुबह नसीम को फंदे से लटका देखा। जिसके बाद उन्होंने अगल-बगल वाले को सूचना दिया। जब तक लोग पहुंचे और फंदे से उतारा तब तक नसीम की मौत हो गई थी। वहीं परिजन ने यह भी बताया कि नसीम किसी भी बात से परेशान नजर नहीं आ रहा था। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर छात्रा की हुई मौत

NAWADA : जिले में मंगलवार को बालू लदे ट्रैक्टर ने एक छात्रा को रौंद दिया, जिससे छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसा नगर थाना क्षेत्र के सिविल कोर्ट के पास हुआ, जहां बालू लदे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने छात्रा को रौंद दिया। हादसे में लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बताया जाता है कि छात्रा जाह्नवी कुमारी नगर थाना क्षेत्र के मंगर बीघा की रहने वाली है। मृतका छात्रा की पहचान मंगर बीघा के निवासी स्व सरोज यादव की 15 वर्षीय बेटी के रूप में हुई है। जाह्नवी अपने घर से ट्यूशन के लिए निकली थी। इसी बीच ट्रैक्टर ने रौंद दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतका के चाचा सुनील कुमार ने बताया कि जाह्नवी मेधावी छात्रा थी और आईएएस अधिकारी बनने का सपना देख रही थी। वह शादी से पहले अपना करियर बनाना चाहती थी और अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती थी।

85वें अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ने किया एलान

आजादी से अब तक की संसदीय बहसों का 22 भाषाओं में होगा अनुवाद : ओम बिरला

AGENCY PATNA : मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पटना में 85वें अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा बड़ा ऐलान किया है। उन्होने कहा कि एआई की मदद से 1947 से अबतक के डिबेट का संकलन हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित करेंगे। भविष्य में उनका 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करेंगे। बिरला ने कहा कि जनता की भागीदारी बढ़ाकर विधायी संस्थाओं को मजबूत और प्रभावी बनाना है। सम्मेलन में लिए गए निर्णय और संकल्प देश के लोकतंत्र को सशक्त करेंगे। साथ ही जनता के प्रति और जिम्मेवार बनाएंगे। इसी से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे। पीठासीन सम्मेलन के समापन सत्र में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हैं, पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन में लिए गए फैसले से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। राज्यपाल ने बताया है, राजनीति का मतलब त्याग, ज्ञान प्राप्त करना संस्कारी होना है। सभी को अपने दिल में समाहित करने की क्षमता है। इस मौके पर पीठासीन पदाधिकारियों से उन्होने कहा कि लोक कल्याण और लोक संग्रह के लिए आपको काम करना है ताकि हर व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके, जो स्वार्थ के लिए काम करते हैं वे अज्ञानी हैं। इससे पहले सेंट्रल हॉल में आयोजित दो दिवसीय 85 वें अखिल भारतीय पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में लोकसभा स्पीकर ने कहा था कि सदनों के अंदर व्यवधान उत्पन्न करना, सदस्यों का बेल में आना, नारेबाजी करना, नियोजित तरीके से सदन को बाधित करना, यह सब चिंता का विषय है। हमें इन सब पर प्रभावी तरीके से रोक लगानी होगी। पीठासीन अधिकारी के रूप में हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि हम सदनों को संविधान की भावना और मूल्यों के अनुरूप चलाएं। उन्होंने कहा कि विधानमंडलों की घटती बैठकें हमारे लिए चिंता का विषय है। विधानमंडलों की बैठकों की घटती संख्या पर रोक लगे। वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार गौरवाशाली इतिहास वाला राज्य है। बिहार के गौरवशाली इतिहास को पूरी तरह स्थापित करने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को श्रेष्ठ बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 2047 का लक्ष्य रखा है। इसमें सबको योगदान देना चाहिए। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार,विप सभापति अवधेश नारायण सिंह, उप सभापति रामवचन राय और विस के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया था।

सम्मेलन के समापन समारोह के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल व विधानसभा अध्यक्ष।

पीठासीन सम्मेलन में 5 संकल्प हुए पारित

PATNA : पटना में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 85 वें सम्मेलन में पांच संकल्प पारित हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। सभी विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारी सदन में बाधा रहित चर्चा सुनिश्चित करेंगे। ताकि जनहित में श्रेष्ठ संवाद का वातावरण बने। यह भी संकल्प लिया गया कि संविधान के मूल्यों के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए पंचायत और नगर निकाओं में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। ओम बिरला ने कहा कि सदन में प्रश्नकाल बाधित न हो इसे सुनिश्चित करने के लिए कोई व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जाएगा। इससे पहले लोकसभा स्पीकर ने कहा कि सम्मेलन में लिए गए निर्णय और संकल्प देश के लोकतंत्र को सशक्त करेंगे। साथ ही जनता के प्रति और जिम्मेवार बनाएंगे। इसी से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे। वहीं इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सदन में लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्वहन हो यह हम सबकी जिम्मेदारी है। पटना में दो दिनों के सम्मेलन से संवैधानिक मूल्य मजबूत होगा। उन्होंने पंजाब और असम विधानसभा के अध्यक्षों द्वारा दिए गए सुझाव को उद्धरित करते हुए कहा कि इनके द्वारा किए जा रहे नवाचार पर विचार किया जाना चाहिए।

प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है संविधान : राज्यपाल

PATNA : मंगलवार को अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के समापन सत्र में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि

हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन में लिए गए फैसले से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। राज्यपाल खान ने कहा कि राजनीति का मतलब त्याग, ज्ञान प्राप्त करना और संस्कारी होना है। सभी को अपने दिल में समाहित करने की क्षमता है। इस मौके पर पीठासीन पदाधिकारियों से उन्होंने कहा कि लोक कल्याण और लोक संग्रह के लिए आपको काम करना है ताकि हर व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके और जो स्वार्थ के लिए काम करते हैं वे अज्ञानी हैं।

धू-धूकर जल उठा चीनी लदा ट्रक मशक्कत से आग पर पाया काबू

AGENCY ARARIYA : अररिया के जोकीहाट थाना क्षेत्र के चरघरिया बॉर्डर के समीप चीनी लोड ट्रक में बीती देर रात अचानक से आग लग गई,जिसके बाद ट्रक धू-धूकर जल उठा। देर रात जब ट्रक में आग की लपटें गांव में नजर आने लगी तो ग्रामीणों ने थाना समेत अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई,जिसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम जोकीहाट समेत अररिया से पहुंचकर घंटों कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक में लगे आग पर काबू पाया।चीनी लोड ट्रक अररिया से किशनगंज की ओर जा रही थी।ट्रक में अचानक आग लग गई और देखते-देखते चीनी लोड ट्रक धू-धू कर जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ट्रक के निचले हिस्से से शुरू हुई आग पूरे ट्रक को अपने चपेट में ले

लिया। अग्निशमन दल द्वारा बड़ी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक चीनी लोड ट्रक जलकर राख हो चुका था।आग ली लपटें देख ग्रामीणों में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जमा हो गए और अग्निशमन विभाग की टीम को आग पर काबू करवाने के प्रयास में मदद की। अररिया अनुमंडलीय अग्निशमन पदाधिकारी धनेश कुमार ने फोन पर बताया कि बीती देर रात सूचना मिली कि जोकीहाट थाना क्षेत्र के टोल टैक्स के समीप ट्रक में आग लग गयी है।

दुर्घटना में घायल चौकीदार की दवा के अभाव में मौत

NAWADA : नवादा जिले के रोह प्रखंड के रूपौ गांव में एक दर्दनाक घटना हुई है। र देर रात ड्यूटी पर जा रहे 55 वर्षीय चौकीदार बनवारी पासवान को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बनवारी को पहले रोह अस्पताल और फिर नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मौत हो गई। मृतक के साले विनय पासवान ने आरोप लगाया है कि नवादा अस्पताल में डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा रात में कहीं भी उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण उनके जीजा की जान चली गई। उन्होंने कहा डॉक्टर ने ट्रायपिल दवा लिखी थी, लेकिन पूरे नवादा में कोई मेडिकल दुकान खुली नहीं थी। सरकारी अस्पताल में भी दवा की कमी थी। विनय पासवान ने यह भी कहा कि नवादा में रात में दवा मिलना बहुत मुश्किल है, क्योंकि रात में अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहते हैं।

सीएम नीतीश ने किशनगंज को दी 514 करोड़ की सौगात, बाइपास सड़क का पैदल किया निरीक्षण

AGENCY KISHANGUNJ : प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किशनगंज पहुंचे। उन्होंने किशनगंजवासियों को 514. 26 करोड़ रुपए की लागत से 235 योजनाओं की दी सौगात। इनमें 15117.28 लाख रुपये की लागत से उद्घाटन तथा 36309.17 लाख रुपए की लागत से विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इनमें डेरामारी में 318.58 लाख की लागत से एक योजना का शिलान्यास, हालामाला में 103.08 लाख की लागत से 9 योजनाओं का उद्घाटन, कटहलडांगी में 52.15 लाख की लागत से 5 योजनाओं का उद्घाटन तथा महेशबथना में 14962.1 लाख की लागत से 171 योजनाओं का उद्घाटन एवं 35990.59 लाख की लागत से 49 योजनाओं का शिलान्यास

प्रगति यात्रा के दौरान लोगों से मुलाकात करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

शामिल है। मंगलवार की दोपहर प्रगति यात्रा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने निर्धारित समय से लगभग साढ़े तीन घंटा विलंब से अपने निर्धारित कार्यक्रम ठाकुरगंज के पटेसरी पंचायत अंतर्गत कटहलडांगी गांव पहुंचे। सीएम का हेलीकॉप्टर आसमान में दिखते ही लोगों में खुशी दिखी। काफी देर से लोग सीएम नीतीश कुमार का इंतजार कर रहे थे। खराब मौसम की वजह से सीएम के आने में देरी से लोग मायूस हो चले थे। लेकिन लगभग 2 बजे जैसे ही सीएम नीतीश कुमार का हेलीकॉप्टर ठाकुरगंज पहुंचा लोग खुशी से सीएम का अभिभावदन करने लगे। सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा ब्लैक कमांडो के साथ पूरा जिला प्रशासन कटहल डांगी गांव में पहुंच गया था। मुख्यमंत्री के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किशनगंज -ठाकुरगंज पथ को पूरे बैरिकेड कर दिया गया था। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उतरकर सीधे ठाकुरगंज के बाइपास सड़क का निरीक्षण किये। उसके बाद कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न स्थलों जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, राजस्व /ग्रामीण विकास/ पंचायती राज विभाग के साथ सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग जनों के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। जिसका मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और लाभुकों को आवास की चाबी भी सौंपी। मौके पर मंत्री, पूर्व मंत्री नौशाद आलम, डीएम विशाल राज, पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल, ठाकुरगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सिकंदर पटेल सहित कई नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश 2 बजकर 44 मिनट पर हालामाला पहुंचे।

मोतिहारी में बनेगा स्टेडियम, तीन करोड़ 29 लाख 6 हजार की राशि जारी

AGENCY MOTIHARI : बिहार सरकार राजगीर में एशियन हॉकी चैंपियनशिप को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के बाद से ही प्रदेश के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में लगी हुई है। इसी कड़ी में अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोतिहारी के युवाओं को बड़ी खुशखबरी दी है। जानकारी के मुताबिक सरकार ने जिले के गोपी छपरा पंचायत के भगवतिया मध्य विद्यालय के बगल में स्टेडियम बनाने का फैसला किया है। इसके लिए 3 करोड़ 29 लाख 6 हजार की राशी भी जारी कर दी गई है। इसके लिए पिछले दिनों जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और डीडीसी शम्भू शरण पांडेय ने जमीन का निरीक्षण कर निर्माण को हरी झंडी दे दी। बता दें कि कुछ

स्थल का निरीक्षण करते डीएम सौरभ जोरवाल व अन्य।

माह पहले जिले के खेल प्रेमियों ने सरकार को एक पत्र लिखकर जिले में स्टेडियम बनाने का आवेदन दिया था। जिसके बाद जिलाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल ने यह आवेदन आगे बढ़ाया। जिसके बाद खेल विभाग द्वारा मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिला के कोटवा प्रखंड अंतर्गत गोपी छपरा पंचायत के भगवतीया मध्य विद्यालय परिसर में आउटडोर/इनडोर स्टेडियम एवं अन्य निर्माण कार्य के लिए 329.06 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उक्त स्थल पर स्टेडियम सहित अन्य निर्माण कार्य के लिए बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को कार्यकारी अभिकरण के रूप में चिन्हित कर पत्र जारी कर निर्देश दिया है।

गया-हावड़ा एक्सप्रेस में गोली मारकर युवक की हत्या

LAKHISARAI : बिहार के लखीसराय से बड़ी खबर सामने आ रही है। किऊल रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ने पर 13024 डाउन गया-हावड़ा एक्सप्रेस में एक युवक की गोली मार दी गयी है। गोली लगने के बाद युवक की मौत ट्रेन में ही गयी। मृतक का नाम धर्मेंद्र साहु बताया जा रहा है। मृतक युवक लखीसराय सदर प्रखंड के महिसोना गांव का निवासी था। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने चेन पुलिंग कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने 13024 डाउन गया-हावड़ा एक्सप्रेस सवार एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। गया-हावड़ा एक्सप्रेस जैसे ही किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूर आगे बढ़ी, तभी तीन-चार की संख्या में सवार अपराधियों ने युवक में सटाकर गोली मार दी।

आरा में भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार दो दोस्तों की दर्दनाक मौत

AGENCY ARA : आरा-अरवल मुख्य मार्ग पर उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चक्रदाह गांव के समीप मंगलवार की दोपहर अज्ञात वाहन ने बाइक जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार दो दोस्त की घटनास्थल पर भी मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। इस हादसे से गुस्साए लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार मृतकों में गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर (कृतपुरा) गांव वार्ड नंबर 6 निवासी सुरेश शर्मा के 42 वर्षीय पुत्र सुनील शर्मा एवं उसी गांव के वार्ड नंबर 13 निवासी

श्रीनाथ चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र संतोष चौधरी शामिल है। इसमें सुनील शर्मा कारपेंटर का काम करते थे, जबकि संतोष चौधरी पेशे से किसान थे। दोनों मृतक एक दूसरे के दोस्त थे। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा, जिसके बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर आरा-अरवल मुख मार्ग पर दोनों के शवों को सड़क के बीचों-बीच रखकर जाम कर दिया। गुस्साएं ग्रामीणों द्वारा करीब एक घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। घटना की सूचना पाकर उदवंतनगर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया। उसके बाद परिचालन शुरू हो सका। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक संतोष चौधरी के चाचा कमलेश चौधरी ने बताया कि संतोष चौधरी की बहन पुतुल कुमारी के देवर की तबीयत खराब होने के कारण मौत हो गई थी। जिसको लेकर वह अपने दोस्त सुनील शर्मा के साथ बाइक पर सवार होकर सहार थाना क्षेत्र के बरूही गांव अपनी बहन पुतुल कुमारी के ससुराल पुछार में जा रहे थे।

खुशखबरी : जदयू सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने रखी आधारशिला, बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य शुरू

सबेया एयरपोर्ट को मिली 4 करोड़ की सौगात

AGENCY GOPALGUNJ : नया साल बिहार के कई जिलों के लिए सौगात लेकर आया है। इसी कड़ी में गोपालगंज के सबेया एयरपोर्ट को फिर से चालू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। 4 करोड़ की लागत से एयरपोर्ट के बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू हो गया। इसकी आधारशिला जदयू सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने रखी। उड़ान योजना में शामिल सबेया एयरपोर्ट पर जल्द से जल्द विमानों का परिचालन जल्द से जल्द शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। बता दें कि पिछले दिनों केंद्र सरकार के निर्देश के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अफसरों की टीम ने एयरपोर्ट का सर्वे करके रिपोर्ट मंत्रालय को भेजा था।

निर्माण कार्य का लेखा-जोखा जल्द आएगा सामने

एएआई के अफसरों के अनुसार गोपालगंज से छोटे विमानों की उड़ान के लायक विकसित करने की तैयारी की जा रही है। अफसरों की टीम इन जगहों पर अध्ययन के बाद फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करेगी। शुरूआती अध्ययन में यह देखा जाएगा कि इन शहरों में एयरपोर्ट के निर्माण के दौरान कितना काम होगा। पटना हवाई अड्डा के निदेशक उमाशंकर सिंह ने बताया कि फिलहाल गोपालगंज, बेगूसराय, मुंगेर और डेहरी-ऑन-सोन में एयरपोर्ट निर्माण की संभावनाओं पर प्राथमिक अध्ययन कर रिपोर्ट मांगी गई है।

उड़ान शुरू होने से बढ़ेगा कारोबार : सांसद

जदयू सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने बताया कि रक्षा मंत्री और रक्षा सचिव ने संबंधित अधिकारियों को इस एयरपोर्ट के जमीन की नापी करवाने के साथ ही उसकी चारदीवारी कार्य शुरू कराया गया है। जल्द ही इस एयरपोर्ट के रनवे की भी मरम्मती कार्य शुरू किया जाएगा। ताकि नागर विमानन मंत्रालय के द्वारा बोली की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू की जा सके। सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने कहा कि जैसे ही इस एयरपोर्ट के चारदीवारी और रनवे की मरम्मती कार्य पूरा हो जाएगा। तब एयरलाइंस कंपनियां इस एयरपोर्ट पर परिचालन के लिए बोली की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगी। गोपालगंज और सीवान के करीब डेढ़ लाख से अधिक लोग विदेशों में रह रहे हैं। यहां से नजदीक गोरखपुर एयरफोर्स का यूनिट है। इनमें से खाडी देशों के मस्कट, ओमान, सउदी, इरान, बहरीन, दुबई जाते हैं। सीवान के बाद विदेशी मुद्रा की सर्वाधिक आवक गोपालगंज में है। यहां घरेलू उड़ान शुरू होने से कारोबार बढ़ेगी और देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले कमासूतों को सहूलियत मिलेगी साथ ही सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा।

मोतिहारी में ज्वेलरी दुकान में 50 लाख की डकैती

MOTIHARI : बिहार के मोतिहारी में लुटेरों ने डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। डकैतों ने मंगलवार तड़के एक ज्वेलर्स की दुकान को अपना निशाना बनाया। डकैतों ने वहां जमकर लूटपाट की है। डकैती के दौरान इलाके में दहशत फैलाने के लिए डकैत लगातार फायरिंग करते रहे। इस घटना के बाद इलाके के लोगों मे दहशत का माहौल है। पुलिस मौके पर पहुंच गयी है। डकैतों की गिरफ्तारी के लिए नाकेबंदी की जा रही है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कोटवा थाना से चंद कदम पर स्थित कोटवा बाजार की यह घटना है। यहां श्री लक्ष्मी साहेब ज्वेलर्स और बर्तन दुकान पर डकैतों ने धावा बोला है। डकैती के दौरान जब इलाके के लोग जग गए और मौके वारदात पर पहुंच गए, तो डकैतों ने चेतवनी देते हुए भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी।

लालू यादव से बड़ा टैक्स वसूलने वाला कोई नहीं : सम्राट चौधरी

AGENCY PATNA : नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इन दिनों डीके टैक्स का नाम लेकर नीतीश सरकार पर हमलावर हैं। उनका कहना है कि राज्य में डीके टैक्स के बिना कोई काम नहीं होता है। उनके इस बयान पर अब डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पलटवार किया है। उन्होने कहा कि बिहार में लालू प्रसाद से बड़ा टैक्स लेने वाला कौन है। राज्य में उद्योग धंधों को बंद करने वाला अगर कोई था, तो वो लालू यादव ही हैं। पटना के एक स्थानीय होटल में बजट पूर्व समीक्षा बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर जमकर हमला बोला। उन्होने कहा बिहार में लालू प्रसाद से बड़ा टैक्स लेने वाला कौन है? उनसे बड़ा

अराजकता का प्रतीक, अपराधीकरण का प्रतीक, उद्योग बंद करने वाला कोई है तो वे लालू यादव ही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास हो रहा है। इससे पहले प्री बजट मीटिंग में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य के बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा जाएगा। कृषि से लेकर उद्योग क्षेत्र का हर तरह से ध्यान रखा जा रहा है। फार्मा सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए जल्द ही एक खास नीति लाई जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में विकास के नए द्वार खोलेगा रेल सेवा का विस्तार

भारत का मुकुट कहा जाने वाला जम्मू-कश्मीर महत्वपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश है। इसकी सीमाएं एक ओर पाकिस्तान के साथ लगी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा कहा जाता है, वहीं दूसरी ओर भारतीय सीमा चीन के साथ लगी है। यह सारी सीमाएं अक्सर अशांत रहती हैं। एक ओर पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादियों की घुसपैठ करवाता है, तो चीन भी सीमा को लेकर नए-नए विवाद पैदा करता रहा है। सीमा के अधिकांश क्षेत्र पहाड़ी व दुर्गम हैं तथा वहां तैनात सैनिकों तथा सुरक्षाकर्मियों तक युद्ध सामग्री तथा अन्य सामान पहुंचना चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार इस राज्य में रेल सेवाओं का विस्तार करना चाहती है, जिससे सैनिकों के आने-जाने में आसानी रहे तथा उन तक पर्याप्त मात्रा में आसानी से सामान की पहुंच हो सके। जम्मू से श्रीनगर जाने का राष्ट्रीय राजमार्ग वर्षा व बर्फबारी के कारण अक्सर बंद हो जाता है तथा कई-कई दिनों तक बंद रहता है। श्रीनगर-लेह मार्ग पहले प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को बंद कर दिया जाता था तथा 15 जून को खुलता था। परंतु, अब सरकार सड़कों की ओर ध्यान दे रही है तथा उसका उद्देश्य लेह तक रेल लाइन पहुंचने का है, ताकि पूरा वर्ष लेह-लद्दाख देश के अन्य भागों से जुड़ा रह सके। इसी सिलसिले में कटरा-श्रीनगर रेलमार्ग बनकर तैयार हो गया है तथा इसी माह यह सेवा प्रारंभ होने की संभावना है। जब श्रीनगर तक रेल सेवा प्रारंभ होगी तो पर्यटकों की संख्या में भी भारी वृद्धि होगी तथा नए-नए उद्योग स्थापित होंगे, जिससे वहां विकास की गति तेज होगी तथा रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इस समय जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तार का कार्य चल रहा है। पटरियों की इंटरलॉकिंग की जा रही है। यह कार्य 15 मार्च तक समाप्त होने की संभावना है। उसके उपरांत ही श्रीनगर व देश के अन्य भागों तक रेल सेवा का विस्तार होगा। कटरा-श्रीनगर रेल लाइन की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। सीआरएस सेफ्टी कमिश्नर द्वारा 7 व 8 जनवरी को 2 दिन के लिए वहां 110 किलोमीटर की स्पीड से रेलगाड़ी चलाकर इसका हर प्रकार से निरीक्षण किया तथा सभी मापदंड सही पाए गए। अब इस रेलखंड का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 जनवरी के आसपास किए जाने की संभावना है। इससे कश्मीर देश के सभी भागों के साथ रेल से जुड़ जाएगा। अभी कश्मीर घाटी में भारी हिमपात हो रहा है तथा कड़ाके की ठंड पड़ रही है, इसे देखते हुए रेल विभाग कटरा से श्रीनगर तक रेल सेवा अलग से चलाएगा। रेलवे विभाग ने उसके लिए अलग से वंदेभारत रेल बनाई है, जिसमें सर्दी से बचने के लिए सभी प्रकार की सुविधा रखी गई है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस रेलमार्ग पर बिजली से ही इंजन चलेंगे तथा इस रूट पर बर्फबारी का खतरा बना रहेगा, इसको देखते हुए इंजन पर विशेष यंत्र लगाए गए हैं। शीशा तीन लेयर का है, जो हर समय गर्म रहेगा ताकि पड़ने वाली बर्फ ना ठहर पाए, बर्फ गिरते ही पिघल जाए, जिससे इंजन चालक को रेलवे ट्रैक देखने में मुश्किल का सामना न करना पड़े। रेल डिब्बों में भी यात्रियों की सुविधा के लिए तापमान गर्म रखा है। यहां तक कु बाथरूम भी विशेष रूप से बनाए गए हैं, जिससे वहां का पानी जम ना सके। कटरा से कश्मीर तक की दूरी लगभग 200 किलोमीटर की है तथा यह दूरी लगभग 3:30 घंटे में पूरी हो जाएगी। प्रारंभ में तीन ट्रेनें कटरा से श्रीनगर जाएंगी तथा वह तीनों वापस आएंगी। आतंकवाद को देखते हुए सभी ट्रेनें दिन को ही चला करेंगी। रात को कोई रेलगाड़ी नहीं चलेगी। प्रधानमंत्री द्वारा 6 जनवरी को जम्मू रेलवे डिविजन जो पहले फिरोजपुर रेलवे डिविजन के अंतर्गत होता था, उसे अलग घोषित कर दिया गया है। जम्मू रेलवे डिविजन के अंतर्गत पूरा जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा पंजाब व हिमाचल के भी कुछ भाग होंगे। इसके अंतर्गत अभी तक लगभग 750 किलोमीटर रेल लाइन है, उसके उपरांत राज्य में रेलवे के कई अन्य प्रोजेक्ट का सर्वेक्षण किया जा रहा है, जैसे बारामूला से उड़ी, कुपवाड़ा जम्मू से पुंछ प्रमुख हैं। इससे इस प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलेगा तथा विकास की गति तेज होगी। यदि जम्मू-कश्मीर का रेल इतिहास देखा जाए तो जब भारत-पाकिस्तान का विभाजन नहीं हुआ था तब जम्मू से सियालकोट तक रेल सेवा थी। सियालकोट पाकिस्तान में जाने से यह रेल सेवा बंद हो गई। 1971 में पठानकोट जम्मू रेल सेवा प्रारंभ हुई तथा रेलगाड़ियां जम्मू तक आना प्रारंभ हुई। 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उधमपुर में, उधमपुर-जम्मू रेलवे रेल मार्ग की नींव रखी तथा 55 किलोमीटर लंबे प्रोजेक्ट को 5 वर्ष में पूरा करने का वायदा किया, परंतु पैसे की कमी तथा पहाड़ी दुर्गम रास्तों के कारण यह प्रोजेक्ट 21 वर्षों में पूरा हुआ तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इसका उद्घाटन किया। 1994 में रेलमंत्री ने रेल लाइन को बारामूला तक ले जाने की घोषणा की तथा 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। धन के अभाव एवं दुर्गम क्षेत्र होने के कारण जहां कार्य टुकड़ों में तथा धीमी गति से चलता रहा। 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय प्रोजेक्ट घोषित किया तथा इसके कार्य में तेजी आई। सबसे पहले जम्मू-उधमपुर प्रोजेक्ट 2004 में तैयार हुआ परंतु चुनाव घोषणा के कारण इसके उद्घाटन में देरी हो गई। कश्मीर घाटी क्योंकि समतल है, इस कारण वहां भी रेलवे का कार्य प्रारंभ किया गया। 2008 अनंतनाग मजामा जो श्रीनगर का बाहरी क्षेत्र है 66 किलोमीटर रेल लाइन प्रारंभ की गई। 2009 में पटन से बारामुला तक रेल सेवा प्रारंभ हो गई। 2013 में काजीगुंड-बनिहाल के बीच 11 किलोमीटर सुरंग का निर्माण हुआ, जिससे बनिहाल-बारामुला के बीच रेल सेवा प्रारंभ हो गई। कई मुश्किलों व दुश्वारियों के उपरांत 2014 में कटरा-उधमपुर के बीच सेवा प्रारंभ की गई, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 4 जुलाई 2014 को किया।

अगली पीढ़ी को आकार दे रहा स्टार्टअप इंडिया

ANALYSIS

✍ पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस स्वस्थ और समावेशी व्यावसायिक पारिस्थितिक तंत्र की प्रगति में राष्ट्र की प्रगति का जश्न मनाता है। भारत सरकार की प्रमुख पहल के रूप में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया का उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और देशभर में उद्यमियों के विकास में तेजी लाना है। 15 जनवरी 2025 तक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त 1.59 लाख से अधिक फर्मों के साथ भारत ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप ईकोसिस्टम के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के नेतृत्व में यह मजबूत ईकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर नवाचार और उद्यमिता को फिर से परिभाषित कर रहा है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख केंद्रों ने इस बदलाव की अगुआई की है, जबकि छोटे शहरों ने देश के उद्यमशीलता अभियान में तेजी से योगदान दिया है। फिनटेक, एडटेक, हेल्थ-टेक और ई-कॉमर्स स्टार्टअप ने स्थानीय बाधाओं को पार करते हुए दुनिया भर में प्रमुखता हासिल की है। जोमैटो, नाइका और ओला जैसी कंपनियां भारत के नौकरी चाहने वालों से रोजगार उत्पादकों की ओर बदलाव को दशार्ती हैं, जो आर्थिक विकास को गति देता है।

जब युवा मानसिकता और सरकारी नीतियां नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वालों को प्राथमिकता देती है तो राष्ट्र समृद्ध होता है। मोदी सरकार पिछले दस वर्षों से विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के माध्यम से यही कर रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और इसी तरह की अन्य नीतियां युवाओं के शोध और नवोन्मेषी प्रतिभा, ज्ञान, कौशल और उद्यमिता को बेहतर बनाने के लिए स्थापित की जा रही हैं। आइए देखें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया पहल कैसे विकसित हुई। भारत स्टार्टअप इंडिया के नौ साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, जो 2016 में शुरू हुई परिवर्तनकारी यात्रा है। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस स्वस्थ और समावेशी व्यावसायिक पारिस्थितिक तंत्र की प्रगति में राष्ट्र की प्रगति का जश्न मनाता है। भारत सरकार की प्रमुख पहल के रूप में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया का उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और देशभर में उद्यमियों के विकास में तेजी लाना है। 15 जनवरी 2025 तक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त 1.59 लाख से अधिक फर्मों के साथ भारत ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप ईकोसिस्टम के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के नेतृत्व में यह मजबूत ईकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर नवाचार और उद्यमिता को फिर से परिभाषित कर रहा है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख केंद्रों ने इस बदलाव की अगुआई की है, जबकि छोटे शहरों ने देश के उद्यमशीलता अभियान में तेजी से योगदान दिया है। फिनटेक, एडटेक, हेल्थ-टेक और ई-कॉमर्स स्टार्टअप ने स्थानीय बाधाओं को पार करते

हुए दुनिया भर में प्रमुखता हासिल की है। जोमैटो, नाइका और ओला जैसी कंपनियां भारत के नौकरी चाहने वालों से रोजगार उत्पादकों की ओर बदलाव को दशार्ती हैं, जो आर्थिक विकास को गति देता है। पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया पहल ने देश के मजबूत उद्यमी पारिस्थितिक तंत्र को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने नवाचार और समावेशिता को प्रोत्साहित कर जबरदस्त उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज पर इसके प्रभाव को दशार्ता है। डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 2016 में लगभग 500 से बढ़ कर 15 जनवरी 2025 तक 1,59,157 हो गई है। 31 अक्टूबर 2024 तक 73,151 मान्यता प्राप्त व्यवसायों में कम से कम एक महिला निदेशक थीं, जो भारत में महिला उद्यमियों की संख्या में वृद्धि को दशार्ता है। 2016 से 31 अक्टूबर, 2024 तक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने कथित तौर पर 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की, जिसने रोजगार सृजन में बड़ा योगदान दिया। सरलीकृत अनुपालन, स्व-प्रमाणन और एकल-खिड़की मंजूरी उद्यमियों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाती है। पात्र स्टार्टअप को लगातार तीन वित्तीय वर्षों के लिए करों का भुगतान करने से छूट दी जाती है। स्टार्टअप के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड ऑफ फंड (ऋ्रह्र) शुरूआती चरण में स्टार्टअप के लिए वित्त प्रदान करता है। जैव प्रौद्योगिकी, कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में केंद्रित नीतियां लक्षित विकास को बढ़ावा देती हैं। स्टार्टअप विशिष्ट उद्योगों में नौकरियां प्रदान करते हैं। आईटी सेवा उद्योग 2.04 लाख नौकरियों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद हेल्थकेयर और लाइफसाइंसेज 1.47 लाख नौकरियां, प्रोफेशनल व कमर्शियल सेवाएं 94,000 नौकरियां प्रदान की हैं। ये योगदान आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और उद्योगों में विविध रोजगार के अवसर प्रदान करने में स्टार्टअप के महत्व पर जोर देते हैं। स्टार्टअप इंडिया परियोजना क्षमता बढ़ाने, आउटरीच को बढ़ावा देने और पारिस्थितिकी तंत्र की भागीदारी में सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों के माध्यम से व्यवसायों को सहायता प्रदान करती है। ये पहल पूरे भारत में मजबूत और समावेशी उद्यमशीलता माहौल का निर्माण सुनिश्चित करती हैं। भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी ने वैश्विक आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप 20 एंगेजमेंट ग्रुप की स्थापना की। देशभर में आयोजित बैठकों में भारत के क्षेत्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला गया, जिससे दुनिया भर में संपर्क बढ़ा। सरकार-से-सरकार के बीच संबंध, वैश्विक मंचों में भागीदारी, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी और अन्य देशों के साथ पुल विकसित करने से सीमा पार सहयोग में मदद मिली है। स्टार्टअप इंडिया हब पोर्टल उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिए पूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। यह पहल द्वारा प्रदान किए जाने वाले संसाधनों, सूचनाओं और लाभों तक पहुंच प्रदान करता है, स्टार्टअप और उद्यमियों, विशेष कर महानगरीय क्षेत्रों से बाहर रहने वालों के लिए पहुंच बढ़ाकर समावेशिता सुनिश्चित करता है। उपर्युक्त उपायों के अलावा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने सितंबर 2024 में भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री प्लेटफॉर्म बनाया। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा यह अत्याधुनिक पहल भारत के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में बातचीत को मजबूत और सुव्यवस्थित करने का प्रयास करती है। भास्कर का उद्देश्य उद्यमिता में वैश्विक नेता बनने के भारत के उद्देश्य के अनुरूप स्टार्टअप, निवेशकों, सलाहकारों, सेवा प्रदाताओं और सरकारी संगठनों को जोड़कर नवाचार, सहयोग और विकास को प्रोत्साहित करना है। स्टार्टअप महाकुंभ प्रमुख कार्यक्रम है जो स्टार्टअप, यूनिकॉर्न, सूनिकॉर्न, निवेशकों, उद्योग के नेताओं और पारिस्थितिकी तंत्र के अभ्यास को एक स्थान पर एक साथ लाता है। यह भारत की उद्यमशीलता की भावना और तकनीकी क्षमताओं पर प्रकाश डालता है, साथ ही देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए संवाद को प्रोत्साहित करता है। 2024 में उद्घाटन संस्करण ने एक शानदार मिसाल कायम की, जिसमें दस विषयगत मंडपों में 1300 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए। इसने 48000 से अधिक कॉर्पोरेट आगंतुकों को आकर्षित किया और अभिनव विचारों और सार्थक सहयोग के लिए एक गतिशील चुंबक बन गया। सम्मेलन में 392 प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें यूनिकॉर्न संस्थापक, दूरदर्शी, नीति निमार्ता और प्रभावशाली लोग, साथ ही 5000 प्रतिनिधि और 200 से अधिक शीर्ष निवेशक, उद्यम पूंजीपति शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, एक उत्साहजनक भाषण दिया और प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य में स्टार्टअप महाकुंभ के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दूसरा संस्करण, जो 3-5 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय होगा स्टार्टअप इंडिया @ 2047-भारत की कहानी का खुलासा। यह भविष्योन्मुखी थीम भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के भविष्य की जांच का प्रयास करती है, क्योंकि देश 2047 तक नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है। संक्षेप में, जैसा कि भारत स्टार्टअप इंडिया पहल की नौवीं वर्षगांठ मना रहा है, देश के उद्यमशीलता परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। 1.59 लाख से अधिक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त फर्मों और बढ़ते कार्यबल के साथ भारत ने नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। इसकी प्रमुख पहल, क्षमता निर्माण गतिविधियां, भास्कर जैसे प्लेटफॉर्म और स्टार्टअप महाकुंभ जैसे आयोजनों ने गैर महानगरीय शहरों सहित विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में व्यवसायों को सशक्त बनाया है।

परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना चुनौती

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग साथ छोड़ देते हैं। हालांकि असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है, जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है, जबकि दूसरा शब्द असफलता, जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। सफलता जब प्राप्त होती है, तो घर-परिवार सब खुश होता है, लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज्जत होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जाएगा, लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेगी। यह भी मायने रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया। यदि आपने पूरे समर्पण भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है, वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपके भविष्य निर्माण में सहायक हो सकता है। परिणाम संचालित समाज में प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है। परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दशार्ता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है, जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापे जाने वाले परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं, लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं। परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है। रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा लेने का खतरा रहता है। परिणामों पर जोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरूआत में अस्थिर प्रदर्शन के लिए आलोचना की गई थी, उन्होंने समय के साथ लगातार सुधार कर-के सम्मान प्राप्त किया। परिणाम उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना खत्म हो जाती है। बॉल-टैम्परिंग जैसे मामले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की मानसिकता को दशार्ते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है, लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है। निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर जोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दशार्ती है। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके। कभी-कभी हम अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

मेघालय के राज्यत्व दिवस पर, मैं राज्य के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मेघालय अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लोगों के मेहनती स्वभाव के लिए प्रशंसित है। आने वाले समय में राज्य के निरंतर विकास के लिए प्रार्थना करता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई: मेहनत आपकी, मुनाफा किसका? आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? जरा सोचिए: मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है। हानिकारक जीएसटी और इनकम टैक्स की मार ने गरीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ किया जा रहा है। आसमान छूती महंगाई के कारण अब न सिर्फ. गरीब बल्कि सैलरीड क्लास भी अपनी जरूरतों के लिए लोन लेने को मजबूर है। वास्तविक विकास वो है जहां सबकी उन्नति हो – बिजनेस के लिए निष्पक्ष माहौल मिले, उचित टैक्स सिस्टम हो और श्रमिकों की आमदनी बढ़े। इससे ही देश समृद्ध और मजबूत बनेगा।

(लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत के लिए चेतावनी है कैलिफोर्निया के जंगल की आग

पिछले सप्ताह से लॉस एंजिल्स में अग्निशामक दल विनाशकारी जंगल की आग को बुझाने के लिए हताशा से भरी मुहिम में जुटे हुए हैं। इस दावानल ने कई लोगों की जान ले ली और दो लाख से अधिक निवासियों को विस्थापन के लिए मजबूर कर दिया है। आग ने प्रशांत पैलिसेड्स और अल्ताडेना जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कहर बरपाया है। इस आपदा ने घरों, पूजास्थलों और महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर दिया है, जिससे कई लोगों को आश्रयों में रहना पड़ा है और हजारों लोग बिना बिजली के रह गए हैं। आग से हुए आर्थिक नुकसान की स्थिति चौंकाने वाली है। अनुमान के मुताबिक $135 बिलियन से $150 बिलियन के बीच यह नुकसान है। यह अमेरिका के इतिहास में दावानल से होने वाला सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान है। इस विनाशकारी आग से मिट्टी की उर्वरता, जल प्रणालियों, वन्य जीवों के नुकसान और वायु पर पड़े खराब गुणवत्ता का असर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। कैलिफोर्निया में शहरी प्रबंधन पर सवाल उठ रहे हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान और लंबे समय तक सूखे ने जंगल की आग के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा की। वन क्षेत्रों में अतिक्रमण ने जानमाल के लिए जोखिम बढ़ा दिया। पुराने विद्युत ग्रिड और खराब तरीके से प्रबंधित बुनियादी ढांचे ने अक्सर जंगल में आग लगने की घटनाओं को बढ़ावा दिया, जैसा कि 2018 के कैंप फायर में देखा गया था। जंगल में आग लगने की घटनाओं का पैमाना अक्सर अग्निशमन संसाधनों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को प्रभावित करता है। जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों में उपनगरीय क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए डिजाइन और जोनिंग नियमों का अभाव है। जंगल की आग से वायु की गुणवत्ता में काफी गिरावट आती है, जिससे शहरी आबादी प्रभावित होती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि होती है। पुनर्निर्माण की उच्च लागत और अपर्याप्त बीमा कवरेज ने कई निवासियों को आर्थिक रूप से तनाव में डाल दिया है। कैलिफोर्निया में जंगल की आग, भारत के लिए कड़ी चेतावनी है। भारत के लिए सबक जलवायु परिवर्तन शमन है। भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने के लिए महत्वाकांक्षी जलवायु कार्यवाही को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिसमें अधिक लगातार और तीव्र चरम मौसम की घटनाएं शामिल हैं। पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिक्रमण को रोके जाने की जरूरत है। शहरी गर्मी के प्रभावों को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हरी छतों, शहरी जंगलों और हरित स्थानों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के लिए सख्त बिल्डिंग कोड लागू करें। समय पर अलर्ट प्रदान करने और निकासी की सुविधा के लिए उन्नत चेतावनी प्रणालियों में निवेश करें। समुदाय आधारित आपदा तैयारी योजनाओं और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करें। सक्रिय वन प्रबंधन रणनीतियाँ विकसित करें जिसमें नियंत्रित जलाना और ईंधन में कमी के उपाय शामिल हों। संधारणीय भूमि उपयोग प्रथाओं को बढ़ावा दें, प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों की रक्षा करें और क्षरित परिदृश्यों को बहाल करें। जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए शहरी नियोजन प्रथाओं को लागू कर और आपदा तैयारियों में निवेश करके भारत पर्यावरणीय संकटों से जुड़े जोखिमों को कम कर सकता है। भारत में जंगल की आग गंभीर चिंता का विषय है, खासकर मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में, जहां शुष्क पर्णपाती वन बहुतायत में हैं। ये आग, मुख्य रूप से अप्रैल और मई में होती है, जो पर्याप्त वनस्पति और कम मिट्टी की नमी के कारण होती है। झूमिंग जैसी पारंपरिक प्रथाएं पूर्वोत्तर भारत में जंगल की आग का कारण बनती हैं।

लिपि पाठ

सिंधु घाटी सभ्यता (आईवीसी) की लिपि समझने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा 10 लाख डॉलर की इनामी योजना की घोषणा इस बारे में लोकप्रिय रुचि को फिर से जगाती प्रतीत होती है। यह लिपि पुरातत्वविदों, इतिहासकारों और भाषाविदों के लिए एक पहेली बनी हुई है। स्टालिन ने इस दिशा में और अनुसंधान का आमंत्रण आईवीसी की खोज के शताब्दी उत्सव के संदर्भ में दिया। सितंबर 1924 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्कालीन प्रमुख जॉन मार्शल ने यह खोज प्रकाशित की थी। ताम्र युग (3000-1500 ईसा पूर्व) के दौरान, आज के भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के इलाकों में 15 लाख वर्ग किलोमीटर में फैली आईवीसी को, जिसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, बेहतर-ज्ञात मेसोपोटामिया, मिस्र और चीन की सभ्यताओं के जितना ही जटिल माना गया। सिंधु सभ्यता मूलतः शहरी थी। भले ही आईवीसी के समर्थन में पुरातात्विक महत्व की बहुत सारी चीजें और सामग्री हैं, लेकिन मुहरों और पट्टिकाओं को सभी को संतुष्ट करने लायक ढंग से नहीं समझा जा सका है। लगभग 20 साल पहले पश्चिमी विद्वानों के एक समूह ने तर्क दिया था कि लेखन प्राचीन शहरी बस्तियों के लिए कोई आवश्यक चीज नहीं थी, यहां तक कि हड़प्पा जैसी विशाल बस्तियों के लिए भी और मुट्ठी भर अज्ञात प्रतीकों को अब लेखन का सबूत नहीं कहा जा सकता। तब से सिंधु सभ्यता के काफी साक्षर समाज होने के मत के पक्ष और विपक्ष में विद्वतापूर्ण विचारों का आदान-प्रदान होता रहा है। स्टालिन की घोषणा को इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है। एक चिंतन धारा यह भी है कि एक लिपि थी, जो आद्य-द्रविड़, गैर आर्य और पूर्व आर्य थी। एक दक्षिणी राज्य तमिलनाडु द्वारा इस पेशकश की यह एक वजह हो सकती है। राज्य सरकार ने सिंधु संकेतों और तमिलनाडु के भित्तिचित्र चिह्नों के अध्ययन को भी समर्थन दिया है, जो भित्तिचित्रों और तमिली (तमिल ब्राह्मी)-उत्कीर्ण ठीकरों (बर्तन के टुकड़ों) के दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण की परियोजना का हिस्सा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Consumers Beware: Make sure children wear helmets

Last fortnight, a 10-year-old boy, Khagendra, died in a road accident while being taken to school by his father on his two-wheeler in Whitefield, Bengaluru. The father survived the collision with an SUV but suffered serious injuries. Both were not wearing helmets.Such tragic incidents involving children on two-wheelers, particularly while on way to school or returning from school, are many. In October last year, six-year-old Nandini Shakya died and four others, including three minor girls, suffered injuries when the motorbike on which they were returning home from school was hit by a speeding truck in Noida. As per the Motor Vehicles Act, only two persons are permitted to travel on a two-wheeler, but here, there were five. And the girls were not wearing crash helmets, mandated under the law.

I quote these two accidents to draw attention to the urgent need to ensure the safety of the most susceptible group of passengers on the road — children, particularly while travelling on the most vulnerable mode of transport in the country, the two-wheelers.Given the high percentage of road accident fatalities among two-wheeler riders, children should not be travelling on them at all! However, keeping in mind the Indian reality, the Motor Vehicles Act and Rules permit them to travel on two-wheelers, but with some safety stipulations. If they are above four years, they must wear a helmet conforming to Indian Standards, formulated and enforced by the Bureau of Indian Standards (BIS).Helmets are mandatory even for children aged nine months to four years, except that the parents have an option of using a crash helmet with an ISI mark or bicycle helmets complying with American or European standards, depending on the age of the child. Children who are above nine months and under four must also wear safety harnesses and be strapped to the driver of the vehicle. And the speed of the vehicle should not exceed 40 km per hour.However, none of these safety stipulations are being strictly enforced, exposing young children to great risks. Since many schools do not provide buses for the transportation of pupils, and in most Indian cities and towns, pavements are either non-existent or in a state of neglect, parents drop them to school and pick them up on two-wheelers and the children are invariably not wearing any helmet. Studies have revealed that even in large cities, only about 7 per cent of the children wear helmets, and, even here, only 4.5 per cent are ISI-marked.

Even more shocking is the sight of young mothers riding pillion on two-wheelers and carrying sleeping babies in their arms! In case of an accident, the child is far more vulnerable than adults and exposing an infant to such risks is a violation of the child's right to safety and life guaranteed under the Constitution.As we observe the 'National Road Safety Month' this January, it is critical to address these issues concerning child safety through consumer education and stringent law enforcement. Harnesses for young children are available in the market and state governments must ensure that they are used as required under the law. It is also essential to make sure that bicycle helmets sold in the market conform to the stipulated standards. Use of helmets for children should also be encouraged through tax incentives and subsidies that make them highly affordable.Having said that, I do feel that the minimum age for a child on a two-wheeler should be raised from nine to 12 months, given the fact that a baby is not very stable at nine months and its neck may not be strong enough to wear a helmet. It is also critical to ensure that non-standard, non-ISI-marked helmets are not sold in the country, through stringent implementation of the Quality Control order that makes ISI certification mandatory for helmets.

Consumers, in turn, should check the authenticity of the ISI mark on the helmet they wish to buy, using the BIS Care App or the BIS website — manakonline.in. At present, about 150 helmet manufacturers have a valid licence to use the ISI mark.Out of 1,68,491 road accident fatalities in the country reported in 2022, persons travelling on two-wheelers constituted 74,897 or 44.5 per cent.

Sustainable farm income key to food security

The letter by Nobel and World Food Prize winners is silent on the biggest scourge — the failure of markets to raise farm incomes the world over.

THE Cambridge dictionary describes moonshot as a bold plan to do something impossible. So, when more than 150 Nobel laureates and World Food Prize winners sign an open letter calling for "planet-friendly moonshot efforts leading to substantial, not just incremental, leaps in food production" — which at the present pace appears almost impossible to meet the enormous challenge of feeding the world by 2050 — the loud and clear warning comes as a timely wake-up call."We are not on track to meet the future food needs. Not even close," the letter has warned.It has been signed by some of the greatest figures of our times — Nobel laureates such as the 14th Dalai Lama, Joseph Stiglitz, Kailash Satyarthi, Robert Huber, Daron Acemoglu and Sir John E Walker, and World Food Prize recipients like Dr Gurdev S Khush, Per Pinstrup-Andersen, Rattan Lal and Hans R Herren."As leaders of science and innovation, we ask you to join us in sounding the alarm, raising collective ambitions, and advocating for research moonshots to ensure the world's food and nutrition security," the letter concludes.At a time when the world already produces enough food to meet the requirement of 9.8 billion people by 2050, it only shows that food deficiencies — there are close to 800 million people living in hunger — are not because of any shortfall in production. The food deficiencies are an outcome of faulty policies.The letter entitled 'Hunger's Tipping Point' makes no mention of the global thrust on feeding cattle and diverting food for automobiles but does talk of "increasingly common extreme weather events associated with climate change", the food and nutrition crisis is only going to worsen by the middle of this century. As the letter rightly adds, additional factors such as soil erosion and land degradation, biodiversity loss, water shortages and conflicts will drag the productivity down.This is certainly a cause for worry. Although the letter does make a mention of maize, a staple food for Africa, which is under threat from future predictions of decreasing yield, meeting the global challenges of food and nutrition security cannot be addressed till the world realises the urgent need to join hands and collaborate.In the US, for instance, 44 per cent of the domestic maize production is diverted for ethanol production, even as Africa faces shortages. Similarly, a report in the New Scientist journal (March 14, 2022) shows that 90 million tonnes of foodgrains was diverted for ethanol, and the European Union utilises 12 million tonnes, including wheat and maize, for feeding automobiles. The EU also diverted 3.5 million tonnes of palm oil to diesel production.All this was happening when the global supplies of staple food were hit by the Russia-Ukraine war. If only 50 per cent of the biofuel production was reduced in the US and EU, the grain saved could have met the entire food shortages created by the war.Among the transformation efforts required, the letter calls for enhancement of photosynthesis in crops like wheat and rice, biological nitrogen fixation of major cereals, transformation of annual crops to perennial ones, diversification of the cropping systems and the creation of nutrient-rich foods from microorganisms and fungi.

What has to be acknowledged is that "the benefit of enabling healthy, productive and secure lives for billions of people has returns that flow broadly through the global economy," says the letter.While there is enough evidence to show that investment in agricultural research has multiple returns, the report calls for "society sponsored research to be the foundation of the innovation that drives a successful food system of the future".What remains unclear is whether the emphasis is essentially on state-sponsored research or dominance of private research.The letter speaks of multiple market failures when it comes to providing people with healthy, cost-effective and sustainable diets. It does point to "market failures" within appropriate regulatory and "pricing" frameworks, but makes a mention of only carbon and water prices and remains conspicuously silent on the biggest scourge — the failure of markets to enhance farm incomes everywhere in the world.

In my understanding, unless strenuous efforts are made to ensure sustainable farm livelihoods, it may be difficult to meet the challenges of future food and nutrition security.For example, while the US Farm Bill — which provides for budgetary provisions to farmers and farming for the next five years, with the last one ending in September 2024 — has made a provision of $1.8 trillion, the US is expecting one in five farmers to quit agriculture this year.And this is despite the immediate promise of $10 billion to offset the loss farmers suffered from low commodity prices and higher cost of production. The new Farm Bill 2024 is awaiting clearance.In the EU, after the farmers' protest in 24 countries in the first four months of last year, an assured farm income has emerged as a common thread. Only a fortnight back, the small farmers' federation in France, the Confederation Pysanne, called for agriculture income to not being left as adjustment variable of the agricultural food supply chain. It denounced the excess margins downstream to the detriment of farmers. This means that while all other stakeholders in the food chain walk away with hefty profits, the farmer is left to survive at the margins.In India, in the midst of the farmers' protest 2.0 that has been going on for over 11 months at the Punjab- Haryana border, a recent news report said the market prices for seven of the 14 kharif crops are hovering at 12 to 26 per cent below the minimum support price (MSP). Over the years, farm incomes have been stagnating or sliding.

The challenge to feed 1.5 billion additional mouths in 2050 is surely possible. But the action plan should work on a moonshot approach that should first turn farming into a viable and profitable enterprise.

Custodial hell

Conviction of HP cops sends strong message

THE conviction of IGP Zahur Haider Zaidi and seven other policemen in a custodial death case serves as a grim reminder of the tragic events that unfold when cops take the law into their own hands. The Kotkhai gangrape-murder of a schoolgirl had jolted the peaceful hill state of Himachal Pradesh in 2017. The horrifying crime led to a public outrage that prompted the state government to set up a Special Investigation Team (SIT) headed by Zaidi. The SIT managed to arrest six suspects but it came under sharp scrutiny itself when one of them died in police custody. Now, a special CBI court has found the probe team's members guilty of murder, torture in police custody for extracting a confession, fabrication of evidence and other serious offences.

Under pressure to produce 'quick results', the SIT crossed one red line after another. It's true that public anger over the gruesome gangrape-murder had reached a crescendo, but this was not reason enough

for the cops to resort to 'instant justice'. This is a cautionary tale for police personnel around the country who let their overzealousness get the better of them during investigations. They are emboldened by the acceptance of violence as par for the course at police stations. A suspect in a lock-up often finds himself at the receiving end of police brutality. In 2021, then Chief Justice of India NV Ramana had rightly stated that police stations posed the biggest threat to human rights as custodial torture and police atrocities were prevalent despite constitutional guarantees.Several states and UTs continue to drag their feet on implementing the Supreme Court's order about installing CCTV cameras at police stations. The onus is on the respective police top brass to ensure that there is no laxity on this count. It is a must to crack down on cops who brazenly abuse their authority. At stake is the credibility of the law enforcers.

The wise old owl, sentinel of the night

The complex, and often conflicting, relationship between humans and owls ranges from reverence to superstition

Owls are among the most intriguing species in the world, with their presence deeply rooted in folklore and mythology. Their very appearance and nocturnal habits evoke a sense of mystery and wonder. With more than 200 owl species inhabiting every continent, except Antarctica, they have adapted to diverse ecosystems, from open grasslands and dense forests to urban areas and deserts.Unlike other birds, owls have unique physiological features that help them adapt to their nocturnal lifestyle — silent, stealthy flight, a disc-like face and large, round, forward-facing eyes with binocular vision. Specialised wing feathers reduce turbulence and noise, allowing owls to approach their prey undetected.Owls also have extraordinary vision. Their forward-facing eyes are designed for depth perception and sensitivity to low light. Though their eyes are fixed in their sockets, owls can swivel their heads up to 270º, allowing them a nearly complete field of view. Their retinas have a higher concentration of rods than cones, enabling them to detect prey in near-total darkness.Coupled with their excptional vision and silent flight, owls have a keen sense of hearing, which is considered one of the most sensitive in the animal kingdom. The concave, disc-like shape of their face, formed by orbital feathers, acts as a dish antenna, collecting sound waves and funneling them toward their asymmetrically placed ears.This remarkable feature allows owls to pinpoint the exact location of prey in the dark, making them highly efficient nocturnal hunters. Owls are carnivorous, primarily feeding on small birds, mammals, reptiles and insects. Prey is swallowed whole, and later, pellets of undigested parts such as bones, feathers and fur are regurgitated.India is home to 35 owl species, distributed across diverse habitats. While most are resident or local migrants, the Short-Eared Owl — named for the small ear tufts on its head

— migrates to India in the winter from its breeding grounds in the Taiga and Tundra regions of the Northern Hemisphere. It also breeds in the corresponding latitudes of the Southern Hemisphere.Populations from the Northern Hemisphere use the Central Asian Flyway, passing through countries like Kazakhstan, Uzbekistan and Turkmenistan. Unlike the flocks of songbirds on the same migration route, the Short-Eared Owl is a solitary traveller, covering more than 1,000 km in a single flight over land and oceans, with occasional halts to rest and hunt for food. It enters India through Rajasthan, Gujarat and Punjab before settling in the grasslands, scrublands, agricultural fields, and wetlands in North, West and Central India.Since the Short-Eared Owl is a winter visitor to our country, we don't observe its courtship display or nesting behaviour. However, in its breeding areas, it is a ground nester. The female excavates a shallow hollow in the ground, which she lines with stones and leaves. She can lay anywhere from five to 14 eggs at a time, which are solely incubated by her. During this period, if she needs to leave the nest for any reason, she defecates on the eggs, covering them with foul-smelling faeces, which helps keep predators at bay.Although owls are generally nocturnal or crepuscular, the Short-Eared Owl is one of the few that can hunt during the day as well. Its silent, gliding flight low over the ground can come as a surprise to its quarry. Interestingly, it clips off the wings of its avian prey before consuming it and then spits out the pellets of undigested parts.Asian Barred Owlet.The complex, and often conflicting, relationship between humans and owls ranges from reverence to superstition. In many cultures, owls are revered as symbols of wisdom, knowledge, prosperity and good fortune. In others, they are believed to be harbingers of death and bad luck, foretelling doom.Owls play a crucial role in the ecosystem as apex predators, keeping rodent populations in check and maintaining balance in their habitats. Unfortunately, like all other wild species, they face the dangers of losing the habitats that are essential to their survival.The story of the owl is one of resilience and adaptation. Despite the challenges they face, owls continue to captivate the human imagination. Their haunting calls in the silence of the night and their mysterious behaviour bring endless fascination to those fortunate enough to encounter them.

Healthier women, stronger economies: WEF's case for investing in women's health

DAVOS. Making a strong case for investing in women's health worldwide, the World Economic Forum on Tuesday said its new research shows that closing the women's health gap could unlock USD 400 billion in global GDP annually by 2040.

The Forum also launched here at its annual meeting a new Women's Health Impact Tracking platform, a publicly accessible tool designed to monitor and bridge the health gaps faced by millions of women worldwide.The new report, Blueprint to Close the Women's Health Gap: How to Improve Lives and Economies for All, was published in collaboration with the McKinsey Health Institute (MHI).

It highlighted that women live 25 per cent more of their lives in poor health compared to men and showed how targeted action around nine key health conditions could reduce the global disease burden by 27 million disability-adjusted life years and add the equivalent of 2.5 healthy days per woman per year.The nine conditions are divided into lifespan conditions, related to a total number of years lived (maternal hypertensive disorders, postpartum haemorrhage, ischemic heart disease, cervical cancer and breast cancer) and health span conditions, related to how many of those years are healthy (endometriosis, menopause, migraine and premenstrual syndrome).

"Measuring progress is essential for driving meaningful change and developing effective healthcare strategies tailored to women," said Shyam Bishen, Head of the Centre for Health and Healthcare and member of the Executive Committee, World Economic Forum."Despite the opportunity to add 2.5 additional healthy days to women's lives, they are often overlooked due to a lack of sex-specific research -- only 10 per cent of clinical trials for ischemic heart disease and migraine report such data.

The Women's Health Impact Tracking (WHIT) platform provides a vital tool to identify these gaps and offers actionable insights to close them," he added."It is time to count women, study women, care for women, invest in women and include all women," said Lucy Perez, Senior Partner at McKinsey & Company and Co-leader of the McKinsey Health Institute.

The new report highlighted critical disparities in women's health outcomes, driven by gaps in data collection, research funding, clinical practice guidelines and healthcare delivery systems.

The research identified five key actions for stakeholders to address these imbalances and unlock the vast, untapped potential of greater health equity.These included counting women or investing in better data collection to reveal the real burden of women's health conditions; studying women by funding research into female-specific health concerns and sex-based differences; and caring for women by ensuring clinical guidelines reflect best practices tailored to women's unique needs.

The other action areas included all women by addressing disparities affecting marginalized groups for broader health equity; and investing in women by mobilising funding for innovative healthcare solutions and delivery models.

The WEF called for urgent action by governments, private sector, researchers, civil society and communities worldwide to set agendas and allocate resources in this regard.Now is the time to act and ensure that every woman and girl can live healthier, more productive lives, it said.

Government selects 24 cos under PLI scheme for white goods

NEW DELHI. The government has selected 24 companies under the third round of the production-linked incentive (PLI) scheme for white goods.These companies have committed an investment of Rs 3,516 crore to boost domestic production of critical components for ACs and LED lights.Out of the 38 applications received in the round, 18 new companies were provisionally selected, with 10 focusing on AC components and 8 on LED light components. These new entrants are set to invest Rs 2,299 crore.

Additionally, 6 existing beneficiaries of the PLI scheme, including prominent AC and LED light manufacturers, have been chosen to scale up their investments, contributing an additional Rs 1,217 crore.As of now, 84 companies are part of the PLI scheme for white goods, bringing in a total investment of Rs 10,478 crore. This is expected to have a significant economic impact, with an anticipated production value of Rs 1,72,663 crore, as per the government. The scheme aims to elevate India's manufacturing capacity in these sectors, making the country a key player in the global supply chains for ACs and LED lights.The scheme was approved by the Cabinet in April 2021 and is designed to foster domestic manufacturing of key components such as compressors, copper tubes, heat exchangers, and BLDC motors for ACs, as well as LED chip packaging, drivers, engines, and light management systems for LED lights.

SEBI may extend time to fix MF NAV

NEW DELHI. To ease the implementation of directions on upstreaming of client funds, the markets watchdog is planning to extend time to stock brokers/clearing members to un-pledge units of overnight mutual fund schemes and place redemption request with funds houses, after the close of market hours.Accordingly, the regulator on Monday proposed that the cut-off timing to determine applicable net asset value (NAV) with respect to repurchase (redemption) of units in mutual-fund overnight schemes (MFOS) from existing 3 pm to 7 pm.Earlier the Sebi had directed stock brokers and clearing members to upstream client funds to clearing corporations on an end-of-day basis.

Funds should be upstreamed wither as either cash, lien on fixed deposit receipts created out of clients' funds, or pledge of units of MFOS created out of clients' funds.

In a paper issued on Monday, Sebi said, "investment in MFOS, which is a new avenue made available to brokers/clearing members to deploy client funds, ensures risk transformation of funds (that are withdrawable on demand) available with brokers/clearing members due to overnight tenure and exposure to risk-free securities."Brokers and clearing members must ensure that client funds are invested in such MFOS that deploy funds into risk-free government bond overnight repo markets and overnight tri-party repo dealing and settlement.

Tax sops likely for brownfield projects

NEW DELHI. Faced with slow uptake in private investment, the government may announce some tax sops in the Budget this year for encouraging new investments by companies. As per sources, the discussion is around extending concessional tax rate to brown field projects undertaken by existing companies.The government had earlier announced concessional tax rate of 15% to new domestic manufacturing companies. The offer was for companies which were set up and registered on

or after October 1, 2019. The scheme was available till March 31, 2024.

"The last time it was restrictive -- only new companies were allowed (to avail concessional rates). This time there's been demand that even existing companies, who are making new investments, should be taxed at a concessional rate," said a source, who was part of discussions with the finance ministry during pre-budget consultation. He said a representation has been made in favour of tax benefits for brownfield investments.

Ministry sources confirmed that such discussions have taken place, but no final call has been taken yet. The demand for extension of concessional tax rate of 15% to newly-formed manufacturing companies by one more year was not heard by the government.With private investments not picking up, Indian Inc and economists have demanded tax sops to encourage investments. Private investments have failed to pick up despite government efforts. The first advance estimate of FY25 GDP shows growth in gross fixed capital formation, which measures investments in economy, has shrunk to 6.4% from 9% a year ago.

NCLT orders liquidation of Go First

NEW DELHI. The National Company Law Tribunal (NCLT) on Monday ordered the liquidation of budget carrier Go First, possibly marking the end of the airline and its 20-month insolvency proceedings.The Committee of Creditors (CoC) in September 2024 had filed an application to liquidate the airline.

NCLT bench comprising Judicial Member Mahendra Khandelwal and Technical Member Dr Sanjeev Ranjan allowed an application for liquidation by the CoC.Go First becomes the second airline in three months to face liquidation. In November 2024, the Supreme Court of India ordered the liquidation of Jet Airways (India) Limited.Following an order by the Delhi High Court last year, Go First was left with no viable asset to remain a going concern and bidders who were showing interest in reviving the airline decided to take back their bid. The Delhi High Court had ordered the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to deregister all Go First's leased planes following a plea by lessors seeking to repossess their assets.Go First owes Rs 6,500 crore to its creditors with the Central Bank of India and Bank of Baroda having the highest exposure. It also owes Rs 2,000 crore to aircraft lessors, about Rs 1,000 crore to its vendors, Rs 600 crore to travel agents, and Rs 500 crore to customers with pending refunds. Go First borrowed Rs 1,292 crore under government's emergency credit scheme introduced during the COVID-19 pandemic.Its remaining assets include a 94-acre land parcel in Thane, valued at Rs 3,000 crore, an Airbus training facility in Mumbai and its headquarters. The CoC had appointed Dinkar Venkatasubramanian as liquidator. Go First, promoted by the Wadia family, stopped flying on May 3, 2024, a day after it filed for bankruptcy.A financial crisis due to non-supply of engines by Pratt & Whitney (P&W) that led to the grounding of about half.

IT companies see revival in discretionary demand, deal wins

BENGALURU. IT services companies have now started witnessing early signs of revival in discretionary spending and CEOs of top IT companies are optimistic about strong deal wins in coming quarters. Also, they announced that deal cycles have now shortened compared to previous quarters.In Q3, the country's largest IT services company Tata Consultancy Services' (TCS) total contract value (TCV) stood at $10.2 billion. "For the first time, there is a good decrease in the deal cycle, by a few weeks. This shows that the decision-making is also improving largely," said K Krithivasan, Chief Executive Officer and Managing Director, TCS, during the company's earnings call.He added, "With the reduction in the interest rates, easing of inflation, and reduced uncertainty with the new US administration taking over, we expect the discretionary demand to strengthen. And seeing the (early signs) revival in discretionary spend and the strong TCV win give us more confidence in CY '25 and FY'26."

Infosys' TCV of large deal wins was at $2.5 billion in the third quarter. Wipro has booked large deals worth $961 million in the third quarter.

In post-earnings press conference, Srini Pallia, CEO and Managing Director, said, "2024 was marked by macro-economic challenges and 2025 looks more hopeful and resilient. Our clients are cautiously optimistic and we see discretionary spending slowly coming back." Sachin Alug, CEO, NLB Services, said despite these challenges, the spending environment has shown steady improvement, with companies expressing optimism about sustained growth in the coming quarters.

Apart from winning AI deals, IT companies are focused on upskilling employees. Pallia said Wipro continues to invest in AI education as 50,000 of its employees now hold advanced AI certifications. "Beyond skilling, we're investing in AI tools and platforms across the software development cycle and our internal processes," he added.

IT companies focus on upskilling employees

Apart from winning AI deals, IT companies are focused on upskilling employees. In Q3, the country's largest IT services company Tata Consultancy Services' (TCS) total contract value (TCV) stood at $10.2 billion. Infosys' TCV of large deal wins was at $2.5 billion in the third quarter.

Will be key player in electric three-wheeler market: TVS

NEW DELHI. Chennai-based auto major TVS Motor has set its sight on becoming a key player in the rapidly-growing electric three-wheeler market within the next three quarters.

On Monday, the company entered the segment with the launch of the King EV Max, priced at Rs 2.95 lakh. This launch follows TVS Motor's collaboration with Korean automotive giant Hyundai Motor to explore the production of three-wheelers and micro four-wheelers for the Indian market.

Though TVS is a late entrant in the electric three-wheeler segment, it remains confident in its ability to replicate the success it has achieved in the electric two-wheeler space. "EV penetration in three-wheelers is moving very, very fast.In the EV category, we would like to be a prominent player. I've not put any numbers but you have seen our EV numbers in the two-wheeler market. For us capacity is not a problem. We can ramp up pretty fast because we have the capability," said K N Radhakrishnan, CEO, TVS Motor Company.

The CEO added that King EV Max is a complete TVS product and that discussions with Hyundai are going on and the vehicle is at a concept stage.Rajat Gupta, business head of commercial mobility at TVS Motor, said going forward they will increase their product offering in the EV space and would launch electric cargos as well. Gupta informed that the company has been aggressively expanding its reach and this has helped them to increase their market share from 4.4% to 10% in the segment they operate.

As per Vahan data, of the total 1.22 million three-wheelers (across different powertrains) sold in CY2024, 56% of them were EVs. The prominent players in this segment were Mahindra Last Mile Mobility (MLMM), YC Electric, Bajaj Auto, Saera Electric Auto, Dilli Electric Auto and Piaggio Vehicles.

When asked reasons for the delayed entry, Gupta said. "We were waiting to know the pain points and address them. To understand this we took time and now we have launched a full-proof model."He added, "Last month, penetration of electric passenger vehicles in the three-wheeler space was 28%. Overall this year it is 22%. Next year it would be 40% and my understanding says it would be 100% by 2030."TVS' King EV MAX claims to give a range of 179 km on a single charge, quick charging in just 2 hours and 15 minutes for 0 – 80% charge and 3.5 hours for 100% charge. The EV is powered by a 51.2V lithium-ion LFP battery and can do a top speed of 60 km/h. The vehicle initially will be available across select dealerships in UP, Bihar, J&K, Delhi and West Bengal. It will be available across the country in the coming months.

Rs 436 Deducted From Your Bank Account? Know How To Stop It --SBI, PNB And Other Bank A/c Holders Must Know

Depending on the plan he or she selects, an annual premium of Rs 436 is auto-debited from the subscriber's bank account on or before May 31 of each annual coverage term under Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana.

New Delhi. Those with bank accounts -- SBI, Post office or any other banks -- who consent to join or activate auto-debit and are in the age range of 18 to 50 are eligible for the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY).

Aadhar would serve as the primary form of KYC for bank accounts. The 12-month term of the 2-lakh-rupee life insurance policy, which runs from 1 June to 31 May, is renewable. This insurance offers risk coverage up to Rs. 2 Lakh in the case of the insured person's death for any reason.

Depending on the plan he or she selects, the annual premium is Rs 436 and must be auto-debited from the subscriber's bank account on or before May 31 of each annual coverage term. The scheme is offered by Life Insurance Company and all other life insurers who are prepared to offer the product on comparable terms with the necessary approvals and collaborate with banks for this purpose.

Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana : How To Stop Debiting Of Rs 436 From Bank A/c

You can choose to cancel the annual auto-debiting process from your bank account if you are unable to continue with the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana for any reason. You must go to the bank branch where your account is connected to the PMJJBY programme in order to do this. You can complete the necessary steps and ask for the PMJJBY premium payment to be stopped. If the payment is not completed on time, your Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana policy will be automatically cancelled.

Also, auto-debiting of the premium will not be feasible if your bank account lacks the necessary funds, which will result in the cancellation of the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana.

The Narendra Modi government had in 2015 introduced the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY) and Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY) to offer insurance coverage to the people.

Maoist With 1 Crore Bounty Among 20 Killed, Amit Shah Says "Major Success"

▸Jayaram Reddy, a senior Maoist leader also known as Chalapati, was killed in an encounter in a forest along the Chhattisgarh-Odisha border.

New Delhi. A Maoist carrying a Rs 1 crore bounty was among 20 killed in an encounter with security forces in Chhattisgarh's Gariaband district last night with Union Home Minister Amit Shah calling the operation a "major success".Jayaram Reddy, a senior Maoist leader also known as Chalapati, was killed in the exchange of fire that took place in a forest along the Chhattisgarh-Odisha border.

A joint team of security personnel from the District Reserve Guard (DRG), Central Reserve Police Force (CRPF), CoBRA from Chhattisgarh and Special Operation Group (SOG) from Odisha were involved in the operation.The operation was launched based on intelligence about the presence of Maoists in the Kularighat reserve forest of Chhattisgarh, just five kilometres from the border of Odisha's Nuapada district.

A large cache of firearms, ammunition and IEDs, including a self-loading rifle, were recovered from the encounter site, an official said. A massive search operation is underway in the area.

Amit Shah On Maoist Encounter

Amit Shah, who has vowed to eradicate Maoists

by March 2026, called the encounter "another mighty blow to Naxalism".“Our security forces achieved major success towards building a Naxal-free Bharat. The CRPF, SoG Odisha, and Chhattisgarh Police neutralised 14 Naxalites in a joint operation along the Odisha-Chhattisgarh border," he posted on X."With our resolve for a Naxal-free India and the joint efforts of our security forces, Naxalism is breathing its last today," Mr Shah added.Chief Minister Vishnu Deo Sai also praised the security forces and said that under the double-engine government (the BJP government at the Centre and the state), Chhattisgarh will get rid of the Maoists by March 2026.The security forces have been "continuously achieving success" and "moving rapidly" towards fulfilling the target, he said.

"This success of the soldiers is commendable. I salute their bravery," Mr Sai posted on X.About 40 Maoists have so far been killed in separate encounters in Chhattisgarh this year.

Chalapati: The Senior Maoist Killed In Encounter

Chalapati, who was a resident of Andhra Pradesh's Chittoor, was a senior member of the central committee of the Maoists, which is the highest decision-making body within the group. He was known for his activities in the dense forests of Abujhmad in Chhattisgarh's Bastar.

Aged around 60, he relocated his base a few months ago due to the increasing frequency of encounters in the Abujhmad area and shifted near the Odisha border, seeking a safer operational zone, sources said.Chalapati played a key role in strategizing and leading operations for the Maoists.His security detail consisted of 8 to 10 personal guards.halapati, who carried a reward of Rs 1 crore for information leading to his capture, was considered.

Cops recreate crime scene at Saif's home with attacker, visit Bandra station

NEW DELHI. Mumbai Police on Tuesday recreated the crime scene at Saif Ali Khan's home in Bandra with the accused arrested for stabbing the Bollywood actor inside his apartment on January 16. Meanwhile, a doctor at the Lilavati Hospital, where Saif had been undergoing treatment, confirmed that he would be discharged today.The police spent about an hour inside the actor's 12-storey residence, while trying to understand how the attacker, Mohammad Shariful Islam Shehzad, carried out the crime with the intention of committing a robbery.

The police team, which reached the spot at around 5.30 am, entered the residential building via the front gate, news agency PTI quoted officials as saying.Mutiple fingerprints of the attacker were collected from the actor's home, including the bathroom window from where he entered and exited, the duct shaft and the ladder he used to enter from the duct, they said.

Besides the police team, forensic experts were also present on the premises.After recreating the crime scene, the police took the accused to a garden in the building's premises where he allegedly hid for about two hours after incident and also the Bandra train station, from where he had taken a train to Dadar later that day.The police team then took the accused back to the Bandra police station, where officials are scheduled to interrogate him further.

Shehzad is currently under a five-day police custody.

On January 16, the attacker reportedly entered the actor's home with the intention of committing theft. However, the situation escalated when he was spotted by a house help in the room of Saif's younger son, Jeh.

The staff raised an alarm, prompting Saif to confront the intruder. During the altercation, the actor was stabbed multiple times, including a serious wound near his spine.Saif was rushed to Lilavati Hospital, where doctors performed immediate surgery to take out a piece of knife lodged in his back, as well as to stop leakage of spinal fluid.

On Tuesday morning, Nitin Dange, a neurosurgeon at Lilavati Hospital, confirmed that Saif would be discharged later in the day.

Transgender candidate: Delhi HC seeks police response on protection plea

NEW DELHI. The High Court has issued a notice to the Delhi Police, seeking their response to a petition filed by transgender candidate Rajan Singh, who is contesting Delhi State Assembly elections from Kalkaji.

Singh has requested personal security due to alleged threats to his life during his election campaign.

Justice Vikas Mahajan directed the Delhi Police to respond by January 27.Singh, represented by advocate Subhash Chandra Budhiraja, claims that he successfully filed his nomination for the Kalkaji Assembly seat but has faced intimidation from rival candidates.According to the petition, Singh was threatened on January 15 when unknown individuals, allegedly linked to an opposing party, snatched and tore his electoral roll certificate.

Singh immediately contacted the police, but despite the arrival of a PCR vehicle, no action was taken, and further attempts to seek assistance from local authorities, including the SHO of P.S. Sangam Vihar, were unsuccessful.Singh asserts that these threats have escalated since his candidacy became public, particularly after media coverage. As the only transgender candidate in the race, he argues that he faces unique risks and requires protection while campaigning in his constituency.

He further stressed that, given the prior threats, it is essential for the police to provide him with adequate security, as he did during the 2024 Lok Sabha election campaign.The petition also highlights that Singh was granted police protection during his previous campaign, which continued till October 14, 2024. Singh now seeks similar security to ensure his safety while running for the upcoming Delhi Assembly elections.This is not the first time a member from transgender community is contesting in the polls. As recent as the last Lok Sabha elections, three candidates, including Singh, contested the polls; however, all of them lost their security deposits.Ahead of the upcoming Delhi Assembly elections, the Delhi High Court has refused to expedite a plea challenging the AAP's election promise of a monthly stipend of Rs 2,100 for women under the Mukhya Mantri Mahila Samman Yojana.

Should be barred from contesting polls: Court on bail plea of Delhi riots accused

NEW DELHI. The Supreme Court on Monday deferred the hearing of AIMIM candidate from Mustafabad constituency and Delhi riots accused Tahir Hussain's bail plea ahead of the upcoming Delhi Assembly elections.

A bench of Justices Pankaj Mithal and Ahsanuddin Amanullah adjourned the hearing due to lack of time, news agency ANI reported. The court will hear the case on Tuesday.

The court, however, noted that all such persons should be barred from contesting elections. "These days, elections are contested from jail... It's easy to win an election by sitting in jail... all such persons should be barred from contesting," it said.

However, Hussain's lawyer said that his is a genuine case.Hussain, a key accused in the 2020 Northeast Delhi riots, is currently in custody on multiple charges, including murder, rioting, and money laundering under the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA).

He had challenged the Delhi High Court's order, which had denied him interim bail to campaign for the elections.Delhi High Court had granted custody parole to Hussain on January 14 to file to allow him to file his nomination papers from the Mustafabad constituency.

However, the court had refused to grant interim bail to Hussain for the campaign, citing the gravity of the allegations against him.The court highlighted the seriousness of the charges against Hussain, including his alleged involvement as the primary conspirator in the riots which resulted in the deaths of 53 people and significant damage in February 2020.

Instant moksha, Naga sadhu meetups, spirituality... what brought foreigners to Mahakumbh 2025

NEW DELHI. What happens when you are open to all kinds of foreign experiences amid circumstances that are exotic to say the least? Doris Hahnloser, from Zurich, a retired manager of a retail multi-brand family-owned boutique, who has been visiting India since 1985, probably has some kind of an answer.

In the Mahakumbh, Prayagraj, for the first time, she tries to soak in all of it—the spectacle, the spirituality, the contradictions. “In India, I have seen the sane and the other side…,” she says delicately. For her, a meeting with the sadhus at the Kumbh—the high-point of the event, along with the Shahi snan— falls in between the two stools. She does not completely understand them but feels “moved” by their life of renunciation; she realises that to them too, her life may seem an aberration, or

just plain different. But she has “felt, seen, and been heard”.

From Hahnsloser and Atma Prem Giri Maharaj, a Russia-born seer who came under the spotlight this Kumbh as ‘Muscular Baba’, to the late Steve Jobs’ widow Laurene Powell, whose stay at the Niranjini Akhara camp and becoming ‘Kamala’ has stirred an internet storm, the East-West encounter is a puzzle. It is so for both sides, and this has been visible at the Kumbh. There have been attempts at identification, and there has been disorientation. Water has wanted to mix with oil.

rientalism has played no small part in this ‘Eastward ho’. “Edward Pococke to Romain Rolland made India the centre of the world. Rolland asserted that the West has derived its gods and ideas from India; Pokocke explored the theory that Aryans may have originally travelled from India to Greece, colonised it, and influenced its culture,” says Heramb Chaturvedi, retired professor of history, Allahabad University.What is new is the scale of publicity this Kumbh is getting. Besides what happened serendipitously for many decades, for example, in the sixties, this encounter is now being packaged as religious tourism.

Reply to AAP MLA's bail plea, HC tells state

NEW DELHI. The Delhi High Court on Monday sought a response from the State on a bail plea filed by AAP MLA Naresh Balyan, who was arrested under the Maharashtra Control of Organised Crime Act (MCOCA).

Justice Vikas Mahajan issued notice to the Public Prosecutor for the State of Delhi and scheduled the next hearing for January 23.Balyan's arrest on December 4, 2024, followed allegations of his involvement with a criminal syndicate led by gangster Kapil Sangwan. The arrest came

shortly after Balyan secured bail in a separate extortion case the same day. Representing Balyan in the High Court, Senior Advocate Vikas Pahwa argued that there was no concrete evidence against the AAP leader.

Pahwa urged the Court to grant interim relief, highlighting the upcoming Delhi polls and Balyan's role in supporting his wife, who is also contesting in the elections.Earlier this month, the Rouse Avenue Court denied Balyan's bail plea. Judge Kaveri Baweja cited sufficient evidence linking Balyan to the organised crime syndicate.

Delhi Assembly polls: Parties in race to hike aids, but field only 12% women

NEW DELHI. Despite a heavy emphasis on women's empowerment ahead of the upcoming Assembly elections, the three major political parties have shown little progress in increasing the share of seats allocated to women candidates.

In the 2020 Delhi Assembly polls, AAP, Congress, and BJP fielded a total of 24 women candidates.This year, the number has only risen to 26, indicating a modest improvement that hardly reflects the campaign rhetoric focused on women's issues. With 70 assembly constituencies, a total of 210 candidates have been fielded, of which only 26 are women, making up just 12% of the total candidate pool.

The voter base in Delhi for this election stands at 1.55 crore, with 71.74 lakh women voters and 83.89 lakh male voters. In light of this, all three parties have made significant promises to woo women voters, including announcing women-specific schemes such as financial assistance. AAP has promised Rs 2,100 per month to women, while both BJP and Congress have increased their offer to Rs 2,500. Additionally, all parties have pledged cash assistance to pregnant women and free travel for women on state-run buses.

The city's top election official recently noted a higher number of women registering to vote compared to men ahead of this election. In the 2020 Delhi elections, the voter turnout among women was 62.5%, slightly lower than the 62.6% turnout among men. Meanwhile, in the same year, eight out of nine women candidates fielded by AAP won, contributing to the party's significant victory.This year, AAP has fielded a total of nine women candidates, including Pooja Balyan, Atishi, Pramila Tokas, Preeti Tomar, Bandana Kumari, Sarita Singh, Rakhi, Anjana Parcha, and Dhanwantri Chandela.BJP has nominated nine women candidates, including Neelam Pahalwan, Urmila Gangwal, Kumari Rinku, Rekha Gupta, Deepti Indora, Poonam Sharma, Shweta Saini, Shikha Rai, and Priyanka Gautam. Congress, however, has fielded just eight women candidates this time: Sushma Devi, Aruna Kumari, Krishna Teerth, Harbani Kaur, Ragini Nayak, Pushpa Singh, Alka Lamba, and Areeba Khan. Despite promises aimed at women voters, the overall representation.

India and France to jointly assess maritime threats in Indian Ocean Region

▸**India and France underscored the strong maritime partnership between the two nations and their shared commitment to enhancing security in the Indian Ocean Region.**

New Delhi. India and France agreed to develop a joint assessment of maritime threats, focusing on piracy, maritime terrorism, smuggling, illegal fishing, cybersecurity risks and marine pollution in the Indian Ocean Region.The commitment was made during the seventh India-France Maritime Cooperation Dialogue that was held in Delhi on January 14, the Ministry of External Affairs (MEA) said in a statement on Monday. The dialogue was co-chaired by Pavan Kapoor, Deputy National Security Advisor, and Alice Rufo, Director General for International Relations and Strategy, Ministry for the Armed Forces, France.Both sides reaffirmed their shared vision for maritime security and emphasised upholding international law, supporting multilateralism through regional organisations, and ensuring respect for sovereignty, territorial integrity, and freedom of navigation."Building on the joint strategic vision of India-France cooperation in the IOR established in 2018, the dialogue aimed to strengthen collaboration for free and secure access to sea lanes of communication," the MEA statement said.France welcomed

the participation of the Indian Navy in the Combined Maritime Forces and expressed optimism about India's future leadership roles within the appropriate Combined Task Forces.To enhance cooperation, India and France will bolster information exchange mechanisms, including the Information Fusion Centre-Indian Ocean Region (IFC-IOR) in Gurugram and regional centres in Seychelles and Madagascar. They will also explore coordinated surveillance to counter threats to maritime security and strengthen bilateral engagements in the region.

Highlighting their commitment to environmental conservation, India and France pledged to protect marine biodiversity and resources in the Indian Ocean Region, according to the statement.They agreed to continue collaboration under the framework of the United Nations Ocean Conference and further regional efforts in biodiversity and blue economy initiatives as members of the Indian Ocean Rim Association (IORA)."This dialogue reaffirmed the mutual.

NEWS BOX

Fire in hotel at ski resort in northwestern Turkey kills at least 10 people, injures 32

ANKARA. A fire broke out at a hotel at a ski resort in northwestern Turkey on Tuesday, killing at least 10 people and hospitalizing another 32 with injuries, officials said.The fire broke out overnight at the restaurant of a hotel in the resort of Kartalkaya in Bolu province, Interior Minister Ali Yerlikaya said.

Two of the victims died after jumping out of the building in a panic, Gov. Abdulaziz Aydin told the state-run Anadolu Agency. Private NTV television said some people tried to climb down from their rooms using sheets.There were 234 guests staying at

the hotel, Aydin said.

Television images showed the roof and top floors of the hotel on fire. The cause of the fire was not immediately known.Kartalkaya is a popular ski resort in the Koroglu mountains, some 300 kilometers (186 miles) east of Istanbul. The fire occurred during the school semester break, when hotels in the region are packed.Aydin's office said 30 fire trucks and 28 ambulances were sent to the site.Other hotels at the resort were evacuated as a precaution.

Taliban government announces prisoner swap with US

World. The Taliban government announced on Tuesday the release by the United States of an Afghan prisoner in exchange for US detainees, saying the deal was brokered by Qatar."An Afghan fighter Khan Mohammad imprisoned in America has been released in exchange for American citizens and returned to the country," the Afghan foreign ministry said in a statement.The ministry said Mohammad had been serving a life sentence in the state of California after being arrested "almost two decades ago" in the eastern Afghan province of Nangarhar.

Asked by AFP, the foreign ministry refused to provide further details or the number of American prisoners.

The announcement comes the day after the inauguration of US President Donald Trump, who during his first term in office presided over a deal with the Taliban that paved the way for the US withdrawal from Afghanistan in 2021 and their return to power.After Trump's election win in November, the Taliban government had said it hoped for a "new chapter" in relations with the United States.The Taliban government on Tuesday called the exchange "a good example of resolving issues through dialogue, expressing special gratitude for the effective role of the brotherly country of Qatar in this regard"."The Islamic Emirate views positively those actions of the United States that contribute to the normalisation and expansion of relations between the two countries," it added, using the Taliban authorities' name for their government.

South Korea's suspended president attends impeachment hearing

SEOUL. South Korea's impeached President Yoon Suk Yeol appeared at the Constitutional Court for the first time Tuesday, facing a possible grilling by judges who will decide whether to remove him from office.The country was plunged into political chaos by Yoon's December 3 martial law declaration, which lasted just six hours before lawmakers voted it down.They later impeached him, stripping him of his duties. He also became the first sitting South Korean president to be arrested in a criminal probe on insurrection grounds.

Hundreds of protesters -- both for and against Yoon -- flocked to the Constitutional Court, which is holding hearings to decide whether to uphold his impeachment.Yoon, who remains South Korea's official head of state, was driven into the building in a blue justice ministry van, AFP reporters saw, with the suspended leader possibly set to face questioning by the presiding judge, court spokesperson Cheon Jae-hyun told reporters.

Cheon added that Yoon's legal representatives have requested to call "at least 24 individuals" as witnesses, including election-related officials.Yoon and his legal team have sought to justify his attempt to suspend civilian rule as a necessary measure due to election fraud, after the opposition won parliamentary elections by a landslide last year.

According pool reporters, Yoon appeared in court wearing a suit -- not his standard-issue prison uniform, which he has been required to wear since he was formally arrested Sunday.

Yoon's legal team said he wanted to "personally appear to explain the circumstances surrounding the declaration of martial law".If the court rules against Yoon, he will lose the presidency and elections will be called within 60 days.The lawyers prosecuting the case, who were selected by the parliament, told reporters before the hearing that "a prompt impeachment trial and removal of the president is the most direct path to restoring the rule of law."

Yoon stayed away from the first two hearings last week, but the trial, which could last months, will continue even if he is absent.Yoon has also been refusing to submit to separate questioning by the Corruption Investigation Office (CIO), the body in charge of the criminal probe into his martial law declaration.It said it had attempted to compel him to attend but due to the "suspect's continued refusal to cooperate" they abandoned the efforts.

As Yoon is attending the impeachment trial, questioning him "will be difficult" on Tuesday, a CIO official told reporters.

Donald Trump moves to end birthright citizenship: How will it impact Indians?

World. President who returned to the White House after four years, started off by signing a flurry of executive orders on Monday with one of the most prominent ones being revoking birthright citizenship. This set in motion a move to end the automatic citizenship of children born in the US to non-citizen parents.The executive order signed by Trump specifies that for a child born in the US to gain citizenship, at least one parent must be a US citizen, a legal permanent resident (green card holder), or a member of the US military."The federal government will not recognise automatic birthright citizenship for children of illegal aliens born in the United States. We are also going to enhance vetting and screening of illegal aliens," said a Trump official in a briefing on Monday."All illegal entry will be immediately halted and we will begin the process of returning millions and millions of illegal aliens back to the places from which they came," Trump said during

his inauguration speech.

WHAT IS BIRTHRIGHT CITIZENSHIP?

As per Birthright citizenship, anyone born on American soil is automatically granted US citizenship, regardless of the citizenship or immigration status of the parents. This provision was enacted in 1868 and was designed to extend citizenship to all persons born in the US.

The relevant part of the 14th Amendment states: "All persons born or naturalised in the United States, and subject to the jurisdiction thereof, are citizens of the United States and of the State wherein they reside."Birthright citizenship arises from the Constitution's 14th Amendment, which was ratified in 1868, three years after the conclusion of the American Civil War that ended the practice of enslaving Black people in Southern states.

WHAT THE EXECUTIVE ORDER SAYS?

As per the executive order signed by Trump, "Among the categories of individuals born in the United States and not subject to the jurisdiction thereof, the privilege of United States citizenship does not automatically extend to persons born in the United States: (1) when that person's mother was unlawfully present in the United States and the father was not a United States citizen or lawful permanent resident at the time of said person's birth, or (2) when that person's mother's presence in the United States at the time of said person's birth was lawful but temporary (such as, but not limited to, visiting the United States under the auspices of the Visa Waiver Program or visiting on a student, work, or tourist visa) and the father was not a United States citizen or lawful permanent resident at the time of said person's birth."The heads of all executive departments and agencies have been asked to issue public guidance within 30 days of the date of the order regarding implementation with respect to their operations and activities.

WHY TRUMP WANTS TO END BIRTHRIGHT CITIZENSHIP

Trump categorically said that he wants to end birthright citizenship because it is "ridiculous", but what he meant is that he wants to discourage illegal immigration, as explained by his team in social media posts. "We're going to have to get it changed," Trump had said in an interview. "We'll maybe have to go back to the people. But we have to end it.""We're going to end that because it's ridiculous," he said.

Hamas Says Next Hostages Will Be Released On Saturday As Scheduled

Cairo. Hamas said on Monday it would next release hostages held in Gaza on Saturday, after an official with the Palestinian militant group had said they would be released a day later than expected.

Hamas is set to release the more than 90 hostages over the coming weeks as part of a complex ceasefire deal reached with Israel this month that could end the 15-month war in Gaza.The militant group said in a statement that the next group of hostages would next be released on Saturday in exchange for Palestinian prisoners and detainees who are held by Israel.Earlier, Nahed Al-Fakhouri, head of the Hamas prisoners' media office, had said the hostages would be released on Sunday.

Hamas had been expected to release four Israeli hostages on Saturday, seven days after the ceasefire came into effect.

A senior Israeli official, speaking on the condition of anonymity, reacted to Al-Fakhouri's statement by telling Reuters the deadline for the hostages to be released was Saturday.

This month, Israel and Hamas agreed to a three-phase ceasefire that could bring an end to the 15-month war in Gaza. The ceasefire came into effect on Sunday with Hamas releasing three Israeli hostages. Israel also released Palestinian prisoners and detainees.The ceasefire accord outlines a six-week initial ceasefire phase and includes the gradual withdrawal of Israeli forces from the Gaza Strip and release of hostages taken by Hamas in exchange for Palestinian prisoners held by Israel.

Love and rights: Thailand's same-sex marriage milestone

BANGKOK. Hundreds of LGBTQ couples are set to marry in Thailand on Thursday, as the kingdom becomes the biggest nation in Asia to legalise same-sex marriage.Only two other places in Asia recognise marriage equality -- Nepal and Taiwan.

Thai society has long been seen as accepting of gender-fluid identities and relationships, but matching legal structures were absent.The new law coming into effect Thursday grants same-sex couples the same legal rights as heterosexual couples.Three couples in Bangkok told AFP about their hopes for the future.

Legal guardianship

Transgender woman Ariya "Jin" Milintanapa gazed at a family portrait photo, filled with excitement that her dream was finally coming true."I've been waiting for this moment for more than 10 years," she told AFP.

The 41-year-old met her American partner, Lee Ronald Battiata, two decades ago on a dating website.The couple and their two sons share a home in a Bangkok suburb, filled with family photos, chickens, and two parrots.After school, they take the children to swimming lessons, a passion reflected in more than 20 medals proudly on display.Chene, 10, is Battiata's son from a previous marriage, and Charlie, eight, was adopted -- though Jin had to adopt him as an individual.

But the new legislation replaces all references to men and women with "partner", clearing the way for any two people to wed -- as long as at least one is a Thai citizen.

"The marriage licence will allow us to share legal guardianship of our kids, as a family," Jin said.Battiata, 65, a restaurant consultant, was married twice before and said his relationship with Jin "feels better and stronger".

"We still do everything we did from the start," he said.They will tie the knot Thursday at a Bangkok luxury mall, joining an estimated 300 other couples, according to event organisers.Despite Thailand's reputation for tolerance, housewife Jin said she has faced discrimination in everyday situations."If I go the market, some people will ask 'Whose kids are they?'" she said."But the boys know I am their mother, and it's someone else's business if they don't understand."

Property rights

For Karisa "Fah" Loywisut, 31, and her partner Niramon "New" Kvunkaew, 30, marriage is not just about love, but also equal rights.The lesbian couple -- both office workers -- have been together for four years and have a modern, two-storey townhouse in Bangkok's suburbs.

Both contribute to the mortgage payments, but the deed is solely in Fah's name as unmarried couples face more hurdles buying property under Thai law.arrying under the new law means the pair will be able to re-register their ownership of the property and access joint mortgages."Love is important, but rights and legality are just as important," Fah said.

New, who grew up in a conservative family, said she spent years questioning her identity and was plagued with meeting social expectations.Her father doubted LGBTQ couples could have successful marriages."We always argue," New told AFP. "I tell him love isn't tied to gender."But their relationship has improved since the government passed the same-sex marriage bill, she said.

Pope dissolves Peru-based conservative Catholic movement after abuses uncovered by Vatican

ROME. Pope Francis has taken the remarkable step of dissolving a Peruvian-based Catholic movement, the Sodalitium Christianae Vitae, after years of attempts at reform and a Vatican investigation. The probe uncovered sexual abuses by its founder, financial mismanagement by its leaders and spiritual abuses by its top members.

The Sodalitium on Monday confirmed the dissolution, which was conveyed to an assembly of its members in Aparecida, Brazil this weekend by Francis' top legal adviser Cardinal Gianfranco Ghirlanda. In revealing the dissolution in a statement, the group lamented that news of Francis' decision had been leaked by two members attending the assembly, who were "definitively expelled."It provided no details, saying only that the "central information" about the dissolution that was reported by Spanish-language site Infovaticana "was true but it contained several inaccuracies." It didn't say what the inaccuracies were.The Vatican has not responded to several requests for comment. Dissolution, or suppression, of a pontifically recognized religious movement is a major undertaking for a pope, all the more so for a Jesuit pope given the Jesuit religious order was itself suppressed in the 1700s.The SCV dissolution, which had been rumored, marks a final end to what has amounted

to a slow death of the movement, which was founded in 1971 as one of several Catholic societies born as a conservative reaction to the left-leaning liberation theology movement that swept through Latin America in the 1960s.

At its height, the group counted about 20,000 members across South America and the United States. It was enormously influential in Peru and has its US base in Denver.But former members complained to the Lima archdiocese in 2011 about abuses by its founder, Luis Figari, and other claims date to 2000. But neither the local church nor the Holy See took concrete action until one of the victims, Pedro Salinas, wrote a book along with journalist Paola Ugaz detailing the twisted practices of the Sodalitium in 2015, entitled "Half Monks, Half Soldiers."

In 2017, a report commissioned by the group's leadership determined that Figari sodomized his recruits and subjected them to humiliating psychological and other sexual abuses.

After an attempt at reform, Francis sent his two most trusted investigators, Archbishop Charles Scicluna and Monsignor Jordi Bertomeu, to look into the Sodalitium abuses. Their report uncovered "sadistic" sect-like abuses of power, authority and spirituality, economic abuses in administering church money and even journalistic abuses of harassing critics.

Fishy business: Why penguin divorce rates have everyone flapping

World. 'It's not working out,' not even for penguins, who are known to mate with the same partner for several years and, sometimes, even for a lifetime. These iconic black-and-white birds, who now seem to be struggling with the complexities of "modern love", are leaving their partners in search of better mates. The surprising rise in penguin divorce rates has left both researchers and wildlife enthusiasts flapping their wings in curiosity.

Once regarded as paragons of devotion in the animal kingdom, these black-bodied and white-bellied flightless birds "call it quits" in search of better mates if they don't appear to be satisfied with the number of offspring they have produced, a new study has found.The study, published on January 11 in Ecology and Evolution, sheds light on this phenomenon, particularly among the little penguin population on Phillip Island, Australia.

RISE IN PENGUIN DIVORCE

The study, conducted over 10 years and 13 breeding seasons, found that penguins are increasingly parting ways when they feel their reproductive success is at risk. If their offspring numbers fall short, some may swap partners in hopes of a better outcome the following season."In good times, they largely stick with their partners, although there's often a bit of hanky-panky happening on the side," said Richard Reina, a study co-author and at Australia's Monash University. "However, after a poor reproductive season they may try to find a new partner for the next season to increase their breeding success."

We recorded nearly 250 penguin divorces from about a thousand pairs throughout the study, and we found that years with a lower divorce rate resulted in higher breeding success," said Reina.The team documented almost 250 penguin divorces out of about 1,000 pairs included in the study, with higher divorce rates during less productive breeding seasons and lower rates during more productive breeding seasons.

WHY THE SHIFT?

Penguin divorce, while once a rare occurrence, are linked to environmental factors and reproductive challenges. Factors such as reproductive failure and environmental stress can make penguin pairs less stable.

The study shows that in less productive breeding years, penguins are more likely to divorce and attempt a fresh pairing. This trend highlights how reproductive failure and environmental stressors, such as food scarcity or habitat instability, can disrupt long-standing bonds.Once believed to be the poster species for eternal love, penguins are rethinking the "together forever" narrative.

BOON OR BANE?

These shifts in partnership aren't inherently harmful as the study found that these divorce rates are a good indicator of the colony's overall health. The team led by researchers from Monash University in Australia looked at how environmental and social factors, including divorce, influenced reproductive success. Understanding these dynamics can help protect these and other species around Philip Island.

While researchers said it is a good indicator for colony's overall health, lots of penguins get divorced during the same season can be a problem. The study authors highlighted a risk of "no breeding familiarity" and "reduced reproductive efficiency" during the early stages of a new coupling."Our findings on lower divorce rates among little penguins at Phillip Island under favourable environmental conditions highlight the importance of considering social dynamics alongside environmental factors when designing strategies to protect vulnerable seabird species," Andre Chiaradia, a study co-author and Phillip Island Nature Parks Marine Scientist, said in a statement.

The authors of the study also noted that their results emphasise the need for an integrated approach to studying seabird reproductive success that considers individual behaviour and social dynamics alongside environmental cues.

Chess World Cup 2025 set to be hosted in India, confirmation soon

While Chennai may be a logical destination to host the 2025 World Cup, it is believed that AICF is cognisant of the need to take the board game to other parts of the country.

CHENNAI. The official announcement may take a few more days but, in reality, India was pencilled in to host the 2025 World Cup by FIDE (chess' governing body) last year itself. "There's always talk with India," Sutovsky had told select Indian media on the sidelines of the chess World Championship in Singapore in November. The dates are already announced by FIDE -- between October 31 and November 27."It's incredibly important for us. We are in constant talks with the All India Chess Federation (AICF), and there's a connection with Tamil Nadu as well. You know that (Arkady) Dvorkovich met (Chief Minister) M.K. Stalin — the two met before the Olympiad in Mahabalipuram in 2022. I believe that maybe already in 2025, we will have a very major event in India. I'm not saying in Tamil Nadu, but in India. Going forward, with such a huge interest, it's only logical that India would host more and more top events."While Chennai may be a logical destination to host the 2025 World Cup, a glamorous biennial event where the top three earn themselves coveted spots in the 2026 edition of the Candidates, it is believed that the All India Chess Federation (AICF) are cognisant of the need to take the board game to other parts of the country.They could well host it in New Delhi or Bengaluru or Ahmedabad or Chennai. When FIDE published the 2025 events calendar on Monday evening, they had India against 2025 edition of the World Cup but the 'India' disappeared soon after. However, this isn't some last minute oversight. "There will be an official announcement in the next 2-3 days," was how one All India Chess Federation (AICF) official put it. "I cannot say much about it till then."It's likely that Magnus Carlsen, the defending champion, will give the tournament a miss. But there will be plenty of other overseas stars in action including Fabiano Caruana, Nodirbek Abdusattarov and Anish Giri. The Indian contingent will be spearheaded by world champion D Gukesh and the likes of Arjun Erigaisi and R Praggnanandhaa. The latter had qualified to the 2024 edition of the Candidates after reaching the final.

NEWS BOX

Australian Open: After semis berth, Paula Badosa says she considered retiring once

New Delhi. Paula Badosa said that she once contemplated retiring from tennis while struggling with her chronic back issue. On Tuesday, January 21, Badosa made her way through to her maiden Grand Slam semi-final after beating 2023 US Open champion Coco Gauff 7-5, 6-4 in the quarterfinal of the Australian Open at the Rod Laver Arena.After making a comeback from injury last year, Badosa, who became the World No.2 in 2022, found herself out of the top 100. But after beating Gauff, the Spaniard will return to the top 10 when the new rankings come out. The 27-year-old said that, 12 months ago, she did not imagine playing in a Grand Slam semis."A year ago I was here... I didn't know if I'd have to retire from the sport. I won today. I'm in the semi-finals. I would never think a year later I would be here," Badosa said in the on-court interview.Australian Open 2025, Day 10 UpdatesBack in the Wimbledon 2023, Badosa had suffered a stress fracture in her back that troubled her for quite some time. She withdrew from the Indian Wells Open 2024 and took cortisone injections to recover during matches. Before the US Open 2024, Badosa talked about her struggles and how she constantly looked for medical support.

'I am a better player'

Badosa started as the underdog against the third-seeded Gauff. At 5-5 in the opening set, Badosa earned a break of serve to come up trumps. In the second set, Badosa dropped her serve twice, but made sure of breaking Gauff's serve thrice to have the last laugh.

"I am a bit emotional, overcoming something like this. Today, I wanted to play my best game. Coco, at the beginning, played intense tennis, but I am super proud of the level I gave today. I have been through a lot. In the past, I was one of the best players in the world, but now I am a better player, more matured. I manage my emotions little better," Badosa added.

In the semi-final, Badosa will be up against the winner of the clash between World No.1 Aryna Sabalenka and 27th seed Anastasia Pavlyuchenkova.

KL Rahul or Axar Patel as Delhi Capitals captain? Aakash Chopra names his pick

New Delhi. Former India cricketer Aakash Chopra has shared his views on the ongoing debate regarding the captaincy of Indian Premier League (IPL) franchise Delhi Capitals (DC). With Rishabh Pant's departure to the Lucknow Super Giants (LSG), the choice of leadership has reportedly narrowed down to two contenders—India wicketkeeper-batter KL Rahul and all-rounder Axar Patel.

Speaking on his YouTube channel, Aakash Chopra delved into the merits of both candidates. Chopra highlighted that KL Rahul's appointment as captain could significantly enhance the brand value of DC. As a seasoned leader with captaincy experience for LSG and Punjab Kings, Rahul brings a wealth of strategic insights and a proven track record of managing high-pressure IPL matches."Three captains have not yet been announced, and I am wondering what is going to happen there. You might be thinking who will be Delhi's captain. Since we get all sources-led news these days, a lot of reports say that Axar Patel, who has become the Indian team's vice-captain recently, could be the captain there," Aakash Chopra said."That is a possibility. He is ready. I, too, advocated that you are taking KL Rahul but it's not mandatory to make him the captain. You have another Indian option

available to you. However, it will be interesting to see what the team thinks. KL Rahul brings a lot of things. He also brings brand value with him, and sometimes franchises think like that also, as to what is better for their setup," he added.

The IPL 2025 mega auction witnessed a significant swap between DC and LSG, with former LSG skipper KL Rahul joining DC and ex-DC captain Rishabh Pant moving to LSG. While Pant has already been confirmed as the new LSG captain, the decision on Rahul or Axar taking over the reins at DC remains undecided.However, Chopra also acknowledged Axar Patel as a strong contender. Axar, retained by DC for Rs 16.50 crore before the auction, has been an integral part of the franchise. He remains the sole player from the core squad that reached the IPL 2020 final.

Known for his consistency and calm demeanour, Axar has been a pillar for DC in recent years.Previously, Chopra had voiced his support for Axar as captain, pointing out that the all-rounder has been underrated despite his critical contributions to the team. Chopra expressed confidence in Axar's ability to lead, emphasising his tactical awareness and the respect he commands among teammates.

The decision between the experienced KL Rahul and the loyal Axar Patel represents a defining moment for DC as they aim to build a competitive squad for IPL 2025. Both players bring distinct strengths, and the final choice could shape the team's future trajectory in the league. Fans now eagerly await the franchise's official announcement.

U19 Women's T20 World Cup: Vaishnavi Sharma shines with hat-trick, 5 wickets on debut

New Delhi. Left-arm spinner Vaishnavi Sharma became the first bowler to take a hat-trick in the Under-19 Women's T20 World Cup 2025. On Tuesday, January 21, the tweaker had a memorable debut after she took a five-wicket haul and hat-trick in the same match. She finished with figures of 4-1-5-5 against Malaysia in the Group A match against Malaysia at the Bayuemas Oval in Kuala LumpurVaishnavi joined South Africa's Madison Landsman in the list of bowlers with a hat-trick in the history of the tournament. Landsman holds the distinction of becoming the first bowler in the U19 Women's T20 World Cup to take a hat-trick. She achieved the feat in the group stage fixture against Scotland and finished with figures of 4/12 back in 2023.

Vaishnavi, who replaced Sonam Yadav in the playing XI, helped India bowl Malaysia out for 31 in 14.3 overs. She got the wickets of Nur Dania Syuhada and Nuriman Hiyadah to start her spell. But it was after dismissing Nur Ain Binti Roslan, Nur Isma Dania and Siti Nazwah

that she claimed a hat-trick.Vaishnavi got the apt support from fellow left-arm spinner Aayushi Shukla, who had figures of 3.3-1-8-3. Joshitha VJ, who won the Player of the Match award against the West Indies, got the wicket of opening batter Nuni Farini Safry.Here's the video of Vaishnavi Sharma's hat-trickIndia hammer MalaysiaOn the back of Vaishnavi's spell, India recorded a 10-wicket win over Malaysia. Chasing a target of 32, India romped home in a mere 2.5 overs. Opener Gongadi Trisha scored an unbeaten 27 off 12 balls, laced with five fours. Trisha faltered against the West Indies, but made amends against the hosts.G Kamalini, who went to the Mumbai Indians at 1.60 crore for WPL 2025, stayed not out on four off five balls. With the win, India went to the top of the table in Group A with four points and a net run

Sanju Samson sings Bollywood song, gets feedback from Surya in Insta banter

New Delhi. Sanju Samson was the star of India's team dinner on Monday in Kolkata. The Kerala wicketkeeper-batter attempted to sing Pehla Nasha, a popular Bollywood song from the 1991 blockbuster Jo Jeeta Wohi Sikandar, and nailed it. Joining Abhishek Nayar in a mini karaoke session, Sanju Samson enjoyed his rendition of the iconic song, much to the delight of his teammates at the hotel in Kolkata.Captain Suryakumar Yadav was quick to respond, reminding Samson to focus on the T20I series. In a cheeky reply, Suryakumar said Samson would eventually come to Mumbai, but only after finishing auditions in Chennai, Rajkot, and Pune.

"Aap Mumbai aa rahe hai lekin Chennai,

Rajkot, Pune audition ke baad (You're coming to Mumbai, but after auditions in Chennai, Rajkot, and Pune)," Suryakumar replied.India will begin their T20I series in Kolkata on Wednesday, 22 January. The series will then move to Chennai, Rajkot, and Pune before concluding with the decider in Pune.Samson was picked as the first-choice wicketkeeper for the T20I series against England. The Kerala star may have missed out on a spot in India's Champions Trophy squad, but he remains a key member of the T20I side, having enjoyed a consistent run in 2024.

Samson scored 436 runs in 13 matches in T20Is last year, smashing three hundreds and one fifty. He struck three hundreds in the span of just five matches, shining with the bat during India's T20I series in South Africa in November 2024.The Indian team arrived in Kolkata over the weekend and began training for the T20I series with a three-day camp at Eden Gardens. It was refreshing to see the team bonding during Monday's dinner, particularly after the difficult tour of Australia, where rumours

Australian Open: Alexander Zverev into the semi-final after win over Tommy Paul

New Delhi German tennis ace and world number 2 Alexander Zverev has advanced to the semi-finals of the Australian Open after overcoming American Tommy Paul in a gripping quarter-final encounter. Zverev secured the victory with a 7-6 (7-1), 7-6 (7-0), 2-6, 6-1 scoreline, in a match that fully lived up to its pre-game excitement.

From the opening set, both players showcased their strengths in a high-intensity battle. Zverev's signature power and precision were met with Paul's agility and resilience, creating a captivating contest. The first set went to a nail-biting tiebreaker, where Zverev took control to seize the advantage with a 7-1 win.Paul's exceptional return game, as he led Zverev with 18 return points compared to the German's 14, became most evident in the second set. The American made a strong start, racing to a 4-1 lead in pursuit of a quick turnaround. However, Zverev showed remarkable composure, clawing his way back into the set and forcing another tiebreaker. Dominating yet again, Zverev clinched the set with a flawless 7-0 tiebreak performance.In the third set, Zverev fully hit his stride, demonstrating why he is ranked

among the world's best. Winning 24 of his 30 first-serve points, he capitalised on a visibly fatigued Paul to take the set 6-2. The momentum firmly in his favour, Zverev carried his dominance into the fourth set, breezing through with a commanding 6-1 victory to seal the match.The German now awaits the winner of the highly anticipated clash between Carlos Alcaraz and Novak Djokovic. With both players in stellar form, the outcome of their match is expected to be a thrilling showdown, promising an equally challenging semi-final for Zverev. As the tournament edges closer to its conclusion, Zverev's commanding performance has made him one of the favourites to lift the trophy in Melbourne.

☛ Alexander Zverev stormed into the Australian Open semi-finals after a thrilling four-set victory against Tommy Paul. Displaying composure and dominance, Zverev proved why he remains a top contender for the title, awaiting his next challenge against either Djokovic or Alcaraz.

Harry Brook appointed England's new white-ball vice captain ahead of India series

☛ England's young rising star Harry Brook has been named as vice captain of the white-ball formats ahead of the series against India.

New Delhi England and Wales Cricket Board (ECB) announced Harry Brook as their new vice-captain of the white-ball formats on Monday, January 20. Brook is counted amongst the rising stars of international cricket due to his magnificent exploits across all three formats. He recently became the number one batter in Tests in December 2024 for the first time and has also put up remarkable performances in both ODIs and T20Is.England didn't name a vice-captain while announcing their squads for the upcoming India series as Brook was included in both the ODI and the T20I sides. The 25-year-old will join the leadership group of the national side in the upcoming five-match T20I series against India beginning from January 22 in Kolkata.In 20 ODIs played in his career so far, Brook has scored 719 runs at an average of 39.94 and a strike rate of 106.83 with one hundred and five fifties. In T20Is, he's played 39 games and scored 707 runs at an average of 30.73 and a strike rate of 146.07 with three half centuries. Brook was also a part of England's T20 World Cup 2022 triumph in Australia.

Brook's brilliant return to ODIs in 2024However, the swashbuckling batter didn't have a memorable time in the ODI World Cup the following year, scoring just 169 runs from six innings at an average of

28.16 with one fifty. After a disappointing World Cup campaign, Brook made a remarkable comeback to the 50-over format, finishing as the highest run scorer of the five-match ODI series against Australia in September 2024 with 312 runs from five innings at an average of 78 with one hundred and two fifties. He also led the team in the five-match series which England lost by 2-3.

Having been awarded the responsibility of vice captaincy, Brook will be once again expected to play a crucial role for the team in the T20I, ODI series against India and the upcoming Champions Trophy 2025.

England T20I Squad – India Tour: Jos Buttler (c), Rehan Ahmed, Jofra Archer, Gus Atkinson, Jacob Bethell, Harry Brook, Brydon Carse, Ben Duckett, Jamie Overton, Jamie Smith, Liam Livingstone, Adil Rashid, Saqib Mahmood, Phil Salt, Mark WoodEngland squad for India ODIs and Champions Trophy 2025: Jos Buttler (Captain), Jofra Archer, Gus Atkinson, Jacob Bethell, Harry Brook, Brydon Carse, Ben Duckett, Jamie Overton, Jamie Smith, Liam Livingstone, Adil Rashid, Joe Root, Saqib Mahmood, Phil Salt, Mark Wood

Priyanka Chopra

Offers Glimpse Of Prayagraj As She Arrives At Maha Kumbh 2025

Priyanka Chopra never misses out on any opportunity to embrace Indian traditions. Earlier, she was clicked visiting the Ayodhya Ram temple with her daughter Malti Marie and her husband Nick Jonas. Now, she is headed to take a holy dip at the Maha Kumbh 2025. The biggest religious congregations this year began on January 13 and will conclude on February 25. As devotees from across the world arrived in Prayagraj to attend the divine event, Priyanka, too, joined them to participate and seek blessings from deities.Hours ago, Priyanka Chopra posted a clip on her Instagram stories. Looking at the clip, it seemed that the actress was enroute to Maha Kumbh 2025 as she offered a glimpse of the city, recorded from inside a car.

This is not the first time Priyanka Chopra marked her presence at a religious event or visited a temple during her time in India. Last year, Priyanka was spotted at Ram Mandir in Ayodhya with her daughter Malti Marie and husband Nick Jonas. The photos featuring the trio quickly went viral.

A bunch of photos shared by Viral Bhayani saw Priyanka wearing a yellow colour saree and looking beautiful. Nick, on the other hand, opted for a cream colour-embroidered kurta and pajama. The duo posed with the security officials at the temple, showcasing their humble demeanour.

It was just two days back that Priyanka Chopra arrived in India and was captured at Hyderabad airport. The global sensation also dropped a video on Instagram as she flew down from Toronto to Hyderabad via Dubai. In her caption of the post, she wrote 'Om' emoticon. However, what caught the attention of her fans was the song that she added to her post. It was from SS Rajamouli directorial RRR.

Soon after the clip went viral, fans started speculating about her comeback to Indian cinema, starring opposite Mahesh Babu in the much-anticipated adventure film, SSMB29, directed by SS Rajamouli. According to an insider close to Pinkvilla, Priyanka was the top choice for the project. The source said, "The film is in the final stages of writing and is all set to go on floors in April 2025. SS Rajamouli was looking for a female lead with a global presence, and who better than Priyanka to play the lead role."Priyanka Chopra's last Bollywood film was The Sky Is Pink which was released in 2016.

Shehnaaz Gill's

Dubai Trip Was All About Good Food And A Game Of Golf

Shehnaaz Gill is a true blue golf enthusiast. The actress loves playing the sport. When not busy with work and vacations, she spends her time with her friends and sometimes playing sports as well. Channeling her inner sportsperson, Shehnaaz recently took some time out to dedicate her time to the sport. How do we know? She posted a bunch of clips on Instagram wherein she is seen playing golf on a playground. Though unsuccessful, her attempt to hit the

ball was praiseworthy.

But, she is not one to give up.In a subsequent clip, Shehnaaz Gill tried again and this time, she hit it out of the park. The child-like excitement on her face was truly adorable. For her golf game, the actress wore a red cosy winter wear top with ash grey bootcut jeans and white sneakers. Shehnaaz is most likely

Shehnaaz Gill achieved a new milestone as she turned producer for her next which has remained untitled for a long time. Weeks ago, she unveiled the title, poster and release date. On her Instagram stories, she unveiled the poster of her next, Ikk Kudi wherein she will be seen acting alongside taking charge as the producer. The film will be a joint venture by Kaushal Joshi's Raaya Picturez, Shehnaaz Gill Production and Amarjit Singh Saron's Amor Film Presents. It is written and directed by Amarjit and is scheduled to hit the theatres on June 13. Making the announcement, she wrote, "With overwhelmed hearts announcing our film – Ikk Kudi RELEASING WORLDWIDE ON 13th JUNE 2025."

Before this, Shehnaaz Gill, in another post, revealed that she would start shooting for her new Punjabi film. She even posted pictures from the muhurat of the film. Posing with a clapperboard, she radiated simplicity and was even seen praying before the shoot.Meanwhile, a group picture featured her with the entire cast, producers and her manager for the film.

"Starting a new journey today and I am immensely proud and happy to announce that today we commence the shooting of my Punjabi film with my dream team," wrote Shehnaaz alongside the photos.Fans are eagerly awaiting the release of Ikk Kudi, thanks to its talented cast, captivating storyline, and debut production of Shehnaaz Gill.

As for her last project, she won hearts with her appearance in an item song of Rajkumar Rao and Triptii Dimri's Vicky and Vidya Ka Woh Wala Video.

Darshan Raval And Dharal Surelia's Wedding: A Night Of Love, Music And Glamour

Darshan Raval's dreamy wedding announcement post broke many hearts. On January 18, he married his best friend and love of his life, Dharal Surelia. The couple's wedding day was nothing short of magical, with stunning photos that gave off major couple goals. Recently, some inside glimpses from their sangeet night surfaced, and Darshan left everyone spellbound with his soulful singing.In a video posted on Reddit, Darshan mesmerised viewers with his heartfelt performance at the sangeet. He dedicated a romantic song to Dharal, expressing emotions he hadn't yet shared. The love between Darshan and Dharal was undeniable, with the singer showing his affection while standing beside his bride-to-be. Dharal blushed and shared the sweet moment, enjoying every second of the song.

In the second part of the clip, another segment from Dharal and Darshan's sangeet night, the couple filled the evening with even more love and entertainment. The deeply in-love pair danced to one of Darshan's songs and the video beautifully captured the depth of their affection for each other.

Although we couldn't get more glimpses of the sangeet night, the video proved the blast of enjoyment they had. The entire stage was decked up with magical lights and many performers were seen performing beside the couple – everyhing accounting for the party's vibrant mood.For the sangeet, Darshan looked dashing in a navy blue embellished sherwani, exuding charm. He paired it with a matching doshala and pants, keeping the accessories minimal and completing the look with a pair of matching loafers. Dharal, on the other hand, turned heads in a silver-embellished lehenga choli, radiating fashionista vibes. She complemented the skirt with a rustic-hued V-neck blouse featuring short sleeves and paired it with a sheer, cut-out dupatta. Her messy, open tresses and shimmery makeup further elevated her glamorous appearance.

Karan Veer Mehra Breaks Silence On Mocking Vivian Dsena's Bond With His Daughter: 'The Low Point...'

The grand finale of Salman Khan's Bigg Boss 18 was held on Sunday night with Karan Veer Mehra emerging victorious and taking home the grand prize of Rs 50. Karan Veer defeated his friend Vivian Dsena to lift the coveted trophy. Although Karan and Vivian had a friendship, things turned sour when during a roast, Karan said that Vivian's daughter doesn't recognise him.After the finale, Karan spoke to SCREEN to discuss his highs and lows on the show. He said, "The task where I lifted Edin or trimmed Rajat's beard were my high points. The low point was the roast I did with Vivian, I should have avoided that."

Karan Veer said, "We had a lover's spat on the show, actually both of our definitions of friendship are very different. He thought of me as a dearer friend and I was coming from a space where I thought he was getting things very easily. But now it's a 100-day friendship."As for winning the Bigg Boss 18 title, Karanveer Mehra said, "I share this trophy

with all those who have voted and loved me and of course the media who I have not paid." He also added that he dedicated his victory to all the fans and friends who supported him tirelessly. "I have gotten used to winning, I want to have a hat-trick now. So please Colors TV announce another show now which I could win, maybe Laughter Chefs."

The Bigg Boss 18 finale was held in Mumbai's Film City on Sunday, January 19. The mega show, hosted by Salman Khan, was attended by several celebrities including Aamir Khan and Veer Pahariya. Bollywood superstar Aamir Khan joined his son, Junaid Khan, and Khushi Kapoor to promote their upcoming movie, Loveyapa.Former Bigg Boss finalists, Ankita Lokhande and Vicky Jain also attended the finale and talked about their upcoming show, Laughter Chefs 2. While Karan Veer Mehra won Bigg Boss 18, Vivian Dsena was the runner-up. Other contestants who were a part of the finale besides were Rajat Dalal, Avinash Mishra, Eisha Singh and Chum Darang.